सांध्य दैनिक

भारत मत

Web- www.bharatmatepaper.com

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
	अधि. 38.0	अधि. 35.0
	न्यून. 26.0	न्यून. 26.0

सिनेमा@पेज-07

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित

झांसी, रविवार 11 मई 2025 वैशाख शुक्लपक्ष-14, संवत 2082, वर्ष-10 अंक-266 कुल पृष्ठ-8

मूल्य₹ 2.00

Email- editorbharatmat@gmail.com

अफवाहों से दूर रहें, आगे जानकारी देंगे

राजस्थान-पंजाब, जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य एयरफोर्स बोली- ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

पहलगाम/नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुए सीजफायर के बाद रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर हाईलेवल मीटिंग ले रहे हैं। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल साथ ही आईबी और रॉ के चीफ मौजूद हैं।

उधर, भारतीय वायु सेना (IAF) ने X पर लिखा- ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। ऑपरेशन नेशनल इंट्रस्ट के हिसाब से सोच-समझकर चलाया गया। ऑपरेशन अभी भी जारी है। इस पर आगे विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ढ्ढस्न ने अटकलों ओर अनवेरिफाइड इन्फॉर्मेशन शेयर करने से बचने की अपील की है। वहीं, बॉर्डर से लगे राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर में रविवार सुबह हालात सामान्य दिखाई दिए। पाकिस्तान ने शनिवार को सीजफायर लागू होने के 3 घंटे बाद ही तोड़ दिया था। उसने जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान और पंजाब में ड्रोन अटैक किए, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया।

कुछ समय बाद पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और ड्रोन अटैक रोक दिया गया। विदेश मंत्रालय ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि सेना को सख्त और ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पहलगाम हमले के दिन 22 अप्रैल से 10 मई तक पाकिस्तान की गोलीबारी में 6 जवान शहीद हो चुके हैं, जबकि 60 घायल हैं। इसके अलावा 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 50 से ज्यादा घायल हैं।

कांग्रेस बोली- PM की अध्यक्षता में ऑल पार्टी मीटिंग हो

कांग्रेस ने भारत-पाक के मौजूदा हालात पर स्थिति पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में ऑल पार्टी मीटिंग की मांग की है। पार्टी ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर और अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की।

श्रीगंगानगर में इमरान खान की पार्टी का झंडा मिला

राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली इलाके में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ यानी PTI का झंडा मिला है। झंडे के साथ पार्टी के रंग के गुब्बारे भी सजाकर रखे गए थे। पुलिस ने इसे कब्जे में ले लिया है। इमरान फिलहाल भ्रष्टाचार केस में जेल में बंद है।

जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी की रेड जारी: जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में स्टेट इन्वेस्टिगेटिव छापा मार रही है। ऑपरेशन के बाद इसकी आधिकारिक जानकारी दी जा सकती है।

बाड़मेर में धमाका, सेना और पुलिस जांच के लिए पहुंची: बाड़मेर जिले के भूरटिया गांव में रविवार सुबह 4 बजकर 27 मिनट पर आसमान से संदिग्ध वस्तु गिरने के साथ धमाका हुआ है। इसके बाद लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस और सेना के अधिकारियों ने संदिग्ध वस्तु को कब्जे लिया। ये ऑब्जेक्ट शेल जैसा लग रहा है, सेना इसकी जांच कर रही है।

शहीद राइफलमैन का शव गांव पहुंचा

पाकिस्तान की गोलाबारी में शहीद राइफलमैन सुनील कुमार का पार्थिव शरीर जम्मू के त्रेवा गांव में उनके घर लाया गया। वे 10 मई को आरएसपुरा सेक्टर में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए थे।

शहीद की बेटी बोली- पापा ने देश के लिए अच्छा काम किया

पाकिस्तानी हमले में शहीद एयरफोर्स के असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र कुमार का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। वे राजस्थान में झुंझुनू के रहने वाले थे। सुरेंद्र शनिवार सुबह उधमपुर एयरपोर्ट पर शहीद हुए थे। उनकी बेटी वृत्तिका ने रोते हुए कहा कि- पापा ने देश के लिए अच्छा काम किया है।

पहलगाम हमले में मारे गए कौस्तुभ के बेटे ने कहा- हम सरकार के साथ

पहलगाम हमले में मारे गए कौस्तुभ गनबोटे के बेटे कुणाल गनबोटे ने कहा, सरकार ने जो भी कदम उठाए हैं, हम उससे संतुष्ट हैं और उसका समर्थन करते हैं। सरकार ने जो भी फैसले लिए या आगे लेगी सोच-समझकर ही लेगी। हम सरकार के साथ हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री और उप-राष्ट्रपति ने मोदी से बातचीत की

शनिवार शाम अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मैं खुद पिछले 48 घंटों से भारत-पाकिस्तान के अफसरों के अलावा पीएम नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री एस जयशंकर, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पाकिस्तान और भारत की सरकार तुरंत सीजफायर के लिए राजी हो गई हैं। हम मोदी और शहबाज शरीफ की तारीफ करते हैं कि उन्होंने बुद्धिमत्ता से शांति का रास्ता चुना।

PMO में मीटिंग, रक्षा मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस टली कल भारत-पाकिस्तान के सेना अधिकारी बातचीत करेंगे

प्रधानमंत्री ऑफिस में रक्षा मंत्री, तीनों सैन्य प्रमुख, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर की मीटिंग चल रही है। इसकी वजह से आज सुबह 11 बजे रक्षा मंत्रालय की होने वाली प्रेस ब्रिफिंग फिलहाल टल गई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई, शाम 5 बजे संघर्ष विराम पर सहमति बन गई। दोनों देशों ने तय किया कि स्थिति और बेहतर करने के लिए 12 मई को DGMO यानी डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन स्तर पर बातचीत होगी। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष को लेकर विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की शनिवार को 4 बार प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। विदेश मंत्रालय ने सुबह 10.45 बजे कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें 9 मई रात पाकिस्तानी हमले की जानकारी दी गई थी। इसके बाद शाम 5 बजे भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर सहमति की बात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कही।

ट्रम्प बोले- भारत-पाक सरकारों पर गर्व

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर आज X पर लिखा, मुझे भारत और पाकिस्तान की मजबूत और अडिग सरकार पर गर्व है। मुझे गर्व है कि अमेरिका आपको इस ऐतिहासिक और बहादुरी भरे फैसले पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम था। मैं दोनों देशों के साथ व्यापार बढ़ाने जा रहा हूं, हालांकि अभी इस पर चर्चा नहीं हुई है। इसके अलावा मैं दोनों के साथ मिलकर यह देखूंगा कि कि क्या कश्मीर पर समाधान निकाला जा सकता है।

अमृतसर DC बोले- सामान्य गतिविधियां शुरू होंगी

अमृतसर के DC ने आज सुबह बयान जारी किया कि आप एक छोटा सायरन सुनेंगे। इसका मतलब है कि हम अपनी सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में SIA की रेड

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और पुलवामा में कुछ संदिग्ध लोगों के होने की सूचना पर जम्मू-कश्मीर स्टेट एजेंसी एजेंसी (SIA) की टीम रेड कर रही है। कई जगहों पर रेड अभी भी जारी है। लोगों से पूछताछ की जा रही है।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम ने शहीद अग्निवीर को श्रद्धांजलि दी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण LoC पर शहीद हुए अग्निवीर सैनिक मुरली नायक को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। मुरली पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में शहीद हुए थे। वे आंध्र प्रदेश के कालीथांडा के रहने वाले थे।

बगलिहार डैम का 1 गेट आज भी खुला

जम्मू-कश्मीर के रामबन में चिनाब नदी पर बने बगलिहार हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट डैम का एक गेट आज खोल दिया गया।

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में हालात सामान्य, बाजार खुले

16 रद्द ट्रेनें बहाल, बाड़मेर में सुबह धमाका

जैसलमेर। भारत-पाकिस्तान से तनातनी के बीच हालात सामान्य हो गए हैं। राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में बाजार खुल गए हैं। जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर में सामान्य दिनों की तरह बाजारों में चहल-पहल है।

उधर, युद्ध के हालात को देखते हुए रेलवे ने राजस्थान से संबंधित 16 ट्रेनों को पूरी तरह और 11 ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द करने की घोषणा की थी। अब इन ट्रेनों के बहाल करने का आदेश जारी किया गया है। दूसरी ओर, सीजफायर (युद्धविराम) के बाद शनिवार देर रात तक पाकिस्तानी ड्रोन का हमला बॉर्डर से सटे राजस्थान के कई इलाकों में होता रहा। जैसलमेर में शनिवार आधी रात तक रह-रहकर धमाकों की आवाज आती रही। रविवार सुबह जैसलमेर के सदर इलाके के पोहड़ा गांव में आज सुबह पुराने हैंड ग्रेनेड व कुछ जंग लगे कारतूस मिले हैं। बाड़मेर में तड़के धमाके के साथ आसमान से संदिग्ध वस्तु गिरी है, जिसे सेना ने कब्जे में ले लिया है।

IPL शुरू करने पर BCCI की मीटिंग आज

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग दोबारा शुरू की जा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट 15 या 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। धर्मशाला में मैच नहीं होंगे, इस शहर को छोड़कर बाकी सभी वेन्यू पर मैच खेले जा सकते हैं।BCCI के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा था कि सीजफायर के बाद BCCI अब IPL कमेटी और ऑफिशियल मेंबर्स के साथ रविवार को मीटिंग करेगा। शेड्यूल देखकर टूर्नामेंट कम्प्लीट कराने के बेस्ट तरीके पर बात करेंगे। जल्द ही टूर्नामेंट को लेकर फैसला लिया जाएगा।

संघर्ष विराम पर औवेसी का सवाल

क्या अमेरिका गारंटी देगा पाक अपनी जमीन आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं करने देगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि युद्ध विराम हो या न हो, भारत को पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पीछा करना जारी रखना चाहिए। जब तक पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक शांति नहीं हो सकती।

हैदराबाद के सांसद ओवैसी X पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी इच्छा है कि युद्ध विराम की घोषणा किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करनी चाहिए थी। ओवैसी ने यह भी कहा कि क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा।

हमारे प्रधानमंत्री ने किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय युद्ध विराम की घोषणा की होती। हम शिमला (1972) से हमेशा तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध करते रहे हैं। हमने अब इसे क्यों मान लिया है? मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह हमारा आंतरिक मामला है। हम न्यूट्रल एरिया पर बातचीत करने के लिए क्यों सहमत हो रहे हैं? इन बातचीतों का एजेंडा क्या होगा? क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं करेगा?

रक्षामंत्री बोले- आतंकियों के लिए सरहद पार जमीन सुरक्षित नहीं

हमरी मिसाइलों की आवाज रावलपिंडी तक सुनाई दी, ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का इनॉगरेशन किया

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्म्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का वर्चुअली उद्घाटन किया। यूनिट में भारत की सबसे एडवांस्ड सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का निर्माण किया जाएगा। यह रक्षा मंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

सीएम योगी ने कहा- आपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम की एक झलक देखी होगी और अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है, जो कभी सीधी नहीं होने वाली। वह प्यार की भाषा नहीं मानने वाली है। डिफेंस कॉरिडोर के भटगांव में यह यूनिट 300 करोड़ रुपए की लागत से बनाई

गई है। BrahMos Aerospace ने इसकी स्थापना की है। इससे 3000 लोगों को रोजगार मिलेगा। ब्रह्मोस उन चुनिंदा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल है, जो भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल हैं। योगी सरकार ने दिसंबर 2021 में ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए लखनऊ में 80 हेक्टेयर भूमि आवंटित की थी। सिर्फ 3.5 साल में यह परियोजना तैयार हो गई है।

आज भारत दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों में से एक

अब्दुल कलाम ने कहा था - दुनिया कमजोरों का नहीं, बल्कि शक्तिशाली का सम्मान करती है। आज भारत दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों में से एक है। आज जो सेंटर शुरू हो रहा है, वह भारत को और मजबूत करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। डिफेंस कॉरिडोर में 180 एमओयू साइन हो चुके हैं। इसमें 4000 करोड़ रुपए का निवेश किया जा चुका है। यह भारत की नई इनोवेटिव एनर्जी को भी दर्शाता है।

अभी जो हालात हैं, उनमें दिल्ली में रहना आवश्यक

रक्षामंत्री ने कहा- कुछ आपातकालीन कारणों से मैं देर से पहुंचा हूं। यहां आने की इच्छा थी, लेकिन मैं नहीं आ सका। वर्तमान परिस्थितियों में दिल्ली में रहना आवश्यक था। इसलिए ऑनलाइन माध्यम से आपसे जुड़ रहा हूं। यहां आने की इच्छा थी, लेकिन मैं नहीं आ पाया। जो हालात हैं, उनमें दिल्ली में रहना आवश्यक था। इसलिए ऑनलाइन आपसे जुड़ रहा हूं। हम किसी भी हालात में रहें, देश का काम चलता रहेगा। आज का दिन ऐतिहासिक है। आज का दिन उस शक्ति की आराधना का दिन है, जो हमारी सेनाओं को संबल प्रदान करती है। यह मेरे लिए अहम है। मैंने एक सपना देखा था, जो अब पूरा हो रहा है।

ब्रह्मोस सिर्फ मिसाइल नहीं, बल्कि एक मैसेज है: कानपुर प्रोडक्शन के लिए जाना जाता था। लेकिन, बाद में पिछड़ गया। मैं उन कारणों पर नहीं जाऊंगा। कानपुर विकास की उन ऊंचाइयों को छूएगा तो उसे कानपुर ऑफ द वेस्ट कहा जाएगा। अभी डिफेंस कॉरिडोर में और उपकरण बनाए जाएंगे। इसमें मेजर इन्वेस्टमेंट किए गए हैं। प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर, दोनों की भागीदारी दिखाई दे रही है।

ओडिशा-पश्चिम बंगाल में तापमान 40 डिग्री पार

30 राज्यों में आंधी-बारिश व तूफान, यूपी-राजस्थान के 50 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के 30 राज्यों में आज रविवार को आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी है। इस दौरान हवाएं 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। अगले 2 दिन में अधिकतर राज्यों का तापमान 2-4 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है।

मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि इस बार देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। राजस्थान के कोट, भरतपुर समेत कई जिलों में शनिवार को बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आज 30

जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है। पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। वहीं, प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। आगरा में बीते दिन 80ग्यरूकी रफ्तार से हवाएं चलीं, कई होर्डिंग और पेड़ उखड़ गए।

शनिवार को ओडिशा के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। सबसे ज्यादा 42.7 डिग्री संबलपुर का रहा। पश्चिम बंगाल के 5 जिलों में हीटवेव की स्थिति रह सकती है, तापमान 40.0 डिग्री पार जा सकता है।

समय से 4 दिन पहले मानसून की दस्तक संभव

मानसून देश में इस बार तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है।

अगले तीन के दिन मौसम का हाल

12 मई: दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 38एष्ट से 44एष्ट के बीच रह सकता है। साथ ही हल्की बारिश या धूल भरी आंधी की संभावना है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान 40एष्ट के करीब जा सकता है।

13 मई: दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में तापमान 38एष्ट से 44एष्ट के बीच रह सकता है। बारिश की स्थिति कम रहेगी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 40एष्ट के करीब रह सकता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान में 3एष्ट-7एष्ट बढ़ सकता है। साथ में उमस भी बढ़ेगी। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश के तापमान में कमी आने की संभावना है।

14 मई: दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 38 से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में तापमान 40एष्ट के करीब जा सकता है, यहां समुद्री इलाकों में उमस बढ़ेगी। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भी तापमान बढ़ने की संभावना है।

हैदराबाद में एक महिला CEO 5 लाख की कोकीन खरीदते पकड़ी

53 ग्राम कोकीन, 10,000 कैश और दो मोबाइल जब्त

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद की एक निजी अस्पताल की CEO नम्रता चिकुरुपाटी (34) को पुलिस ने 5 लाख रुपए की कोकीन खरीदते हुए गिरफ्तार किया है। वह मुंबई के वंश ढक्कर से ड्रग्स मंगवा रही थीं, जिसे बालकृष्ण नाम का शख्स डिलीवर करने आया था।

पुलिस के मुताबिक, नम्रता ने वॉट्सऐप पर ऑर्डर देकर ऑनलाइन पेमेंट किया था। पुलिस ने 53 ग्राम कोकीन, 10,000 रुपए कैश और दो मोबाइल जब्त किए हैं। पूछताछ में उसने कबूला कि उसने अब तक करीब 70 लाख रुपए

ड्रग्स पर खर्च किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ब्रीफ न्यूज

खून का थक्का जमने और ब्लीडिंग पर डॉक्टर करेंगे चर्चा

भोपाल। भोपाल में इस सप्ताहांत स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण आयोजन होने जा रहा है। ब्लीडिंग और खून के थक्के जैसी गंभीर समस्याओं के इलाज पर विशेषज्ञ डॉक्टर चर्चा करेंगे। आम लोगों के लिए यह जानना जरूरी है कि ये समस्याएं कैसे जानलेवा बन सकती हैं और उनका सही इलाज क्या है। दो दिवसीय वैसोकॉन 2025 कॉन्फ्रेंस 10-11 मई को कोर्टयार्ड बाय मैरियट होटल में होगी। कॉन्फ्रेंस में देशभर से गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट और सर्जन शामिल होंगे, जो पेट और लिवर से जुड़ी बीमारियों में ब्लीडिंग (रक्तस्राव) और थ्रोम्बोसिस (खून का थक्का जमना) की समस्याओं और उनके इलाज पर चर्चा करेंगे। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने बताया कि ब्लीडिंग और थ्रोम्बोसिस जैसी समस्याएं चाहे शरीर के किसी भी हिस्से में हों, इनका इलाज सही समय पर और सही तकनीक से करना बेहद जरूरी होता है।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। भोपाल, इंदौर, उज्जैन-जबलपुर समेत मध्यप्रदेश के 40 से अधिक जिलों में शनिवार को भी मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने इन जिलों में आंधी, हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को जिन जिलों में मौसम बदला रहेगा, उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, खरगोन जिले शामिल हैं। वहीं, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, विदिशा, अशोकनगर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मंडला, बालाघाट, सिवनी, कटनी में भी हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी का दौर रह सकता है। इससे पहले शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदला रहा।

सीएम बोले- अलर्ट मोड पर रहें कलेक्टर-एसपी

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार रात में प्रदेश के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कलेक्टरों से कहा कि हर जिले में सायरन और मॉकड्रिल की व्यवस्था की जाए। इधर सामान्य प्रशासन विभाग ने 13 विभागों की कर्मचारियों की छुट्?टी निरस्त कर दी है। गृह विभाग ने कहा है कि अस्पतालों में डॉक्टर्स और जीवन रक्षक दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि पीने के पानी की उपलब्धता, सड़कों की सुरक्षा और बिजली सप्लाई में किसी तरह की बाधा नहीं आना चाहिए। किसी तरह की अप्रिय घटना की स्थिति से बचाव के लिए फायर ब्रिगेड तैयार रखे जाएं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को पर्याप्त संख्या में चालू रखा जाए। आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल और चेतावनी के परिप्रेक्ष्य में शहरों में सायरन की व्यवस्था रहनी चाहिए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच आवश्यक समन्वय बना रहना चाहिए।

पेटलावद-विस्फोट... पोटलियों में समेटने पड़े थे 79 लाशों के टुकड़े

भोपाल। दस साल गुजर गए, लेकिन झाबुआ जिले के पेटलावद में हुआ हादसा लोगों के जहन में आज भी जिंदा है। 12 सितंबर 2015 को एक दुकान में सिलेंडर फटा, उसी समय उस दुकान से सटे जिलेटिन छड़ों के गोदाम में भी जबरदस्त विस्फोट हुआ। इस हादसे में करीब 79 जिंदगियां लाशों में बदल गईं। धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी गूंज 11 किमी दूर तक सुनाई दी थी। हादसे की भीषणता का आलम यह था कि आसपास के 17 गांवों में कोई न कोई व्यक्ति जख्मी हुआ था। जातीय और जनजातीय परंपराओं के लिए पहचान रखने वाले पेटलावद में 12 सितंबर 2015 सुबह करीब 8-30 बजे तक बाजार की काफी दुकानें खुल चुकी थीं। इस बीच नाश्ते की दुकान में गैस सिलेंडर में विस्फोट हुआ। आग लगी, जो फैलकर उस दुकान तक जा पहुंची, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक रखा हुआ था। उसके बाद जो विस्फोट हुआ, उसने चारों ओर लाशों का ढेर लगा दिया। कई शरीर चीथड़ों में बदल गए। जिन्हें पोटलियों में समेटना पड़ा था। हांलाकि इस घटना में 79 लोगों की मौत की बात प्रशासन ने मानी थी, जबकि प्रत्यक्षदर्शियों का दावा था कि करीब डेढ़ सौ लोग मारे गए थे।

हालांकि बाद में मौतों का आंकड़ा 105 को पार कर गया था।

सामूहिक विवाह सम्मेलनों से वित्तीय मितव्ययता को मिल रहा प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री

लाड़ली लक्ष्मी और कन्यादान जैसी योजनाएं कुशलतापूर्वक हो रहीं संचालित : केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

भारतमत संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री काल में मध्यप्रदेश बिजली आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था में आत्मनिर्भर बना। प्रदेश के गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछा है। यह सिर्फ सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रसंग नहीं है, आज यहां बुधनी विधानसभा में विकास कार्यों को गति देने के लिए 170.42 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी हुआ है। यह इस क्षेत्र के विकास की ओर बढ़ाया गया एक और नया कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा क्षेत्र के भेरूंदा स्थित ग्राम पिपलानी में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में क्षेत्रीय जनजातीय (गोंड) समाज के 572 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले बेटियों का विवाह कठिन प्रसंग होता था। बेटी की शादी के लिए गरीबों और किसानों को अपनी जमीन तक बेचनी पड़ती थी, लेकिन केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सबसे पहले चंदा जुटाकर गरीब कन्याओं का विवाह कराने की शुरुआत की। बाद में शासन स्तर पर योजना तैयार की गई और सामूहिक विवाह सम्मेलनों की शुरुआत हुई। आज समाज का हर वर्ग इस योजना के जरिए न केवल फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों से बच रहा है, वरन् सामूहिक विवाह सम्मेलनों से समाज में वित्तीय मितव्ययता की प्रवृत्ति को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। सनातन समाज में विवाह केवल दूल्हा-दुल्हन का रिश्ता नहीं है, यह दो परिवारों के लिए भी एक नए संबंध की शुरुआत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुधनी में फोरलेन, मेडिकल कॉलेज और गारमेंट कारखाने स्थित हैं। सलकनपुर में देवीलोक का विकास कार्य भी प्रगति पर है। शुक्रवार को ही दमोह के बांदकपुर में भी देवश्री जागेश्वर महादेव लोक का भूमि-पूजन किया गया है। हमारी सरकार केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा प्रारंभ सभी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। बुधनी क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा है। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की है, जिसमें किसानों को 25 से 33 प्रतिशत अनुदान भी मिल रहा है। प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने हर ब्लॉक में एक गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत एक शक्ति संपन्न देश है, जो किसी भी दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक बार नहीं तीन-तीन बार सर्जिकल स्ट्राइक की हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर बहनों का सुहाग उजाड़ा है। अब ऑपरेशन सिंदूर से आतंकी और उनके ठिकानें ध्वस्त किए जा रहे हैं। भारत की शक्ति को दुनिया देख रही है।

केंद्रीय कृषि विकास एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत देश अद्भुत है, जहां शहनाइयों के साथ-साथ सीमा पर नगाड़े भी बज रहे हैं। भारत की ओर कोई आंख उठाकर देखेगा, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि आज हमारे नवदम्पत्ति भी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। विवाह एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें मिलकर चलना पड़ता है। बेटियों के साथ संकल्प लीजिए कि हम सब देशवासी सरकार और सेनाओं का साथ देकर उनका मनोबल बढ़ायेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी, लाडली बहना और कन्यादान योजना जैसी सभी कल्याणकारी योजनाएं बखूबी संचालित हो रही हैं, जो पिछली सरकार में शुरू की गई थीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधनी विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं रहने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत किसी पर हमला नहीं करता है।

भारत-पाक तनाव पर भोपाल के शहर काजी बोले

देश की हिफाजत इस्लाम में फर्ज, जवानों की सलामती के लिए दुआ की

भारतमत संवाददाता

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के माहौल में पहली बार भोपाल के शहर काजी मुश्ताक अली नदवी का बयान सामने आया है। उन्होंने देशवासियों से शांति, अमन और भाईचारे की अपील करते हुए कहा कि जहां इंसान रहता है, वहां उसकी जान-माल, इज्जत और आबरू की हिफाजत करना इस्लामी नजरिए से भी फर्ज है। शहर काजी ने कहा कि देश से मोहब्बत और उसकी सुरक्षा करना न सिर्फ कानूनी जिम्मेदारी है, बल्कि मजहबी तौर पर भी यह इंसान का फर्ज बनता है। हम जहां रह रहे हैं, उस मुल्क की हिफाजत करना हमारी जिम्मेदारी है। शहर काजी ने कुरान का हवाला देते हुए कहा, हजरत इब्राहीम अलेह सलाम ने दुआ की थी कि ऐ अल्लाह, इस शहर को अमन का शहर बना दे। आज हमें भी यही सीख लेनी चाहिए कि हम जहां रहें, वहां के लिए अमन और शांति की दुआ करें। उन्होंने आगे कहा, अल्लाह ने हमें अपनी हिकमत से इस देश में पैदा किया है। हमारी दुआ है कि हमारा देश और प्रदेश अमन, चैन और तरक्की का गहवारा बने। काजी मुश्ताक अली ने सरहद पर तैनात देश के जांबाज सैनिकों के लिए दुआ की। उन्होंने कहा, हम दुआ करते हैं कि अल्लाह हमारे देश के बहादुर जवानों की हिफाजत करे और उन्हें कामयाबी अता फरमाए। वे हमारे अमन और सुरक्षा के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। आखिर में उन्होंने कहा, ÷जो लोग अमन और भाईचारे के लिए मेहनत कर रहे हैं, अल्लाह उनकी हिफाजत और मदद करे। अल्लाह पूरी इंसानियत को सही राह दिखाए और हमारे मुल्क को हमेशा के लिए सुकून और सलामती का मर्कज बना दे। काजी साहब ने सख्त लहजे में कहा, जो लोग इस देश की अमन-ओ-शांति में खलल डालना चाहते हैं, अल्लाह ऐसे लोगों के मंसूबों को नाकाम करे। उत्तर प्रदेश में हाल ही में एक व्यक्ति द्वारा गलती से कला लिखे झंडे को पैरों से रौंदने की घटना पर उन्होंने कहा कि, ÷यह सिर्फ एक गलतफहमी थी। इस मामले को जरूरत से ज्यादा तूल देना ठीक नहीं है। इससे पहले शहर काजी ने हिंदू छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था इस्लाम में 'जिना' यानी बलात्कार जैसे अपराध के लिए बेहद सख्त सजा का प्रावधान है। जिसमें दोषी को सार्वजनिक रूप से पत्थर मार-मार कर मौत की सजा दी जाती है या 100 कोड़े मारे जाते हैं।

भोपाल में लोक अदालत का शुभारंभ

भारतमत संवाददाता

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार नेशनल लोक अदालत में 60 खंडपीठ गठित की गई हैं। इसमें 1,63,428 मामले निराकरण के लिए रखे गए हैं। विद्युत से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार आंकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपए तक की छूट है। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट है। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है। सुनीत अग्रवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने से संपूर्ण कोर्ट फीस वापसी होती है।

एमपी भारतीय जनता पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट हैक

ओपन करने पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा आया

भारतमत संवाददाता

इंदौर। भारत-पाकिस्तान के बिगड़े हालात के बीच हैकर्स ने शनिवार को मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट को हैक कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हैकर्स ने बीजेपी की राष्ट्रीय वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की है। बीजेपी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पार्टी की एमपी की वेबसाइट पर सुबह कुछ यूजर्स ने जाकर देखा तो उस पर पाकिस्तान ऑपरेशन का नाम लिखा हुआ आ रहा था। हालांकि अभी वेबसाइट पर भारतीय जनता पार्टी और 404 लिखा हुआ आ रहा है। बीजेपी आईटी सेल को वेबसाइट हैक होने की जानकारी जैसे ही मिली, टीम ने इसे ठीक करने का काम शुरू कर दिया। बीजेपी प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि सुबह वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली थी। टीम ने जानकारी मिलते ही इसे रिस्टोर कर लिया है। हालांकि अग्रवाल ने पार्टी की राष्ट्रीय वेबसाइट हैक होने की बात से इनकार किया। वेबसाइट के होमपेज पर यू

हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा हुआ नजर आ रहा था। हालांकि यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि वेबसाइट किसने हैक की है। हैक की गई वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस का जिक्र प्रॉमिनेंटली दिखा। इस ऑपरेशन का नाम अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है शीशे से बनी मजबूत दीवार। इस ऑपरेशन के बारे में पाकिस्तान की तरफ से भी बयान सामने आया था। फिलहाल बीजेपी संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वेबसाइट को 15 से 20 मिनट में रिस्टोर कर लिया गया है। फिलहाल वेबसाइट खोलने पर दिख रहा है। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि हैकर्स ने एमपी के साथ ही बीजेपी की राष्ट्रीय वेबसाइट भी हैक करने की कोशिश की थी।

कार की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

भारतमत संवाददाता

भोपाल। गुनगा इलाके में बाइक पर सवार होकर शादी समारोह में शामिल होने के लिए बैरसिया जा रहे युवक, उसकी मां और बेटी को कार ने रौंद दिया। हादसे में मां-बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा शुक्रवार शाम का है। बेटे ने रात के समय जबकि मां ने इलाज के दौरान आज तड़के दम तोड़ा है। वहीं घायल 14 साल की किशोरी की हालत नाजुक बनी हुई है। बैरसिया रोड के प्राइवेट हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है। मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दोनों की बॉडी शनिवार की दोपहर को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दी गई हैं। गुनगा पुलिस के मुताबिक देवी सिंह पुत्र बटनलाल (40) सूखीसेवनिया में रहते थे। कल शाम को करीब 4.30 बजे अपनी 70 वर्षीय मां प्रेम बाई के साथ बैरसिया में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बाइक पर देवी की 14 साल की बेटी वर्षा भी सवार थी। तभी ग्राम रतुआ के पास सामने से आई कार क्रमांक एमपी 67 सी 4630 ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी थी।

ड्यूटी पर जा रहे सैनिक से टीटीई ने ली रिश्वत

रेलवे ने सस्पेंड किया, ग्वालियर का जवान बोला- साथी अग्नि वीर से भी 200 रुपए लिए

भारतमत संवाददाता

भोपाल। भारत-पाक में बढ़ते तनाव को लेकर भारतीय सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। ऐसे में ग्वालियर से ड्यूटी जॉइन करने जम्मू जा रहे एक जवान से टीटीई ने ट्रेन में रिश्वत मांगी। ग्वालियर के रहने वाले सूबेदार विनोद कुमार दुबे का आरोप है कि मालवा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12919) में टीटीई ने उनसे और उनके साथी अग्नि वीर से रिश्वत वसूली। ट्रेन में बहस करते हुए वीडियो भी सामने आया है, जिसमें टीटीई वीडियो बनाने से मना कर रहा है। इस पूरी घटना को लेकर जवान विनोद कुमार के परिचित ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, जिसके बाद रेलवे ने टीटीई दलजीत सिंह को सस्पेंड कर दिया है। दलजीत सिंह लुधियाना डिवीजन में तैनात है। यह घटना सोनीपत और पानीपत के बीच 9 मई को हुई थी। विनोद कुमार दुबे सेना में सूबेदार हैं। उन्होंने दैनिक भास्कर को फोन पर बताया कि वे 8 मई को आपातकालीन कॉल पर ड्यूटी के लिए ग्वालियर से जम्मू जा रहे थे। उन्होंने मालवा एक्सप्रेस से सामान्य टिकट पर यात्रा शुरू की। शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे ट्रेन सोनीपत और पानीपत के बीच से गुजर रही थी, तब टीटीई ने आकर उनसे टिकट मांगा। दुबे ने अपना जनरल टिकट और आर्मी का आई कार्ड दिखाया। साथ ही बताया कि ड्यूटी के लिए जम्मू जा रहे हैं। इसके बावजूद टीटीई ने उन पर जुर्माना लगाने की बात कही और जनरल कोच में जाने के लिए कहा। कोच में दुबे के साथ यात्रा कर रहे अग्निवीर जाहिर खान से टीटीई ने 150 रुपए की रिश्वत ली। टिकट देने की बजाय जनरल टिकट पर ही कुछ लिख दिया। रसीद भी नहीं बनाई। दुबे ने बताया कि वे 25 दिन की छुट्टी पर आए थे। उन्हें 12 मई को वापस जाना था, लेकिन छुट्टी कैंसिल होने के बाद 9 मई को ही रवाना हुए। जवान विनोद कुमार ने बताया, यह व्यवस्था बहुत भ्रष्ट है। टीटीई ने कहा कि जेल भेज देंगे। इस पर मैंने कहा, हम बॉर्डर पर जाने के लिए निकले थे, अब अगर आप चाहें तो जेल ही भेज दीजिए। तो टीटीई कहने लगा कि आप जनरल, कर्नल या कोई भी बने रहें, मुझे उससे कोई मतलब नहीं। भोपाल डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी ने कहा, हमारी तरफ से इंस्ट्रक्शन हैं कि जो भी जवान ड्यूटी जॉइन करने जा रहे हैं, उन्हें अधिक से अधिक सुविधा देकर उनकी यात्रा आसान बनाई जाए। यह सामान्य इंस्ट्रक्शन पहले से ही दिए हुए हैं।

इंदौर की महू सैन्य छावनी में अलर्ट, घर-घर में सर्चिंग

कड़ी सुरक्षा के बीच ग्वालियर एयरपोर्ट शुरू, भोपाल में महिला बीजेपी कार्यकर्ता करेंगी सिंदूर खेला

भारतमत संवाददाता

भोपाल। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से जवाबी कार्रवाई जारी है। मध्यप्रदेश में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जश्न और पाकिस्तान का विरोध लगातार हो रहा है। बॉर्डर पर तैनात जवानों के लिए दुआ और पूजा-पाठ की जा रही है। भोपाल में शाम 5 बजे न्यू मार्केट में बीजेपी महिला कार्यकर्ताओं ने सिंदूर खेला का आयोजन किया है। ग्वालियर का राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट शनिवार से यात्रियों के लिए खोल दिया गया। 6-7 मई की दरमियानी रात ऑपरेशन सिंदूर के बाद से इस एयरपोर्ट को यात्री फ्लाइट के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि एयरपोर्ट के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट तक सिर्फ टिकट ले चुके यात्री ही पहुंच सकते हैं। इधर, इंदौर की महू सैन्य छावनी क्षेत्र में भी अलर्ट जारी किया गया है।

पुलिस के साथ सशस्त्र सुरक्षाकर्मी घर-घर जाकर सर्चिंग कर रहे हैं। देवास में एक्स मेन वेलफेयर सोसाइटी के पूर्व सैन्य अधिकारियों ने एमजी रोड स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। पूर्व सैनिकों ने जवानों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग और आयुष मंत्रालय ने देश के सभी आयुष शिक्षण संस्थानों व स्स कॉलेजों को सातों दिन, 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिए हैं। भारत-पाक में तनाव के बीच सीहोर के कुबेरेश्वर धाम के कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने झारखंड में आयोजित होने वाली श्री शिव पुराण कथा को रद्द कर दिया है। यह कथा 13 से 17 मई तक रांची-गुमला फोरलेन स्थित बाबा चरैया नाथ धाम, ग्राम मुर्मू में दोपहर 1 से 4 बजे तक होने वाली थी। भिंड में सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस के बीच बैठक हुई। इसमें कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने जिले में आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में यह भी तय किया है कि हर नगर पालिका व नगर पंचायत में सायरन सिस्टम लगाया जाएगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पूरे शहर को अलर्ट किया जा सके। पूर्व सैनिक, टैक्स सर्विस मैन, एनसीसी कैडेट्स और समाजसेवियों को भी सुरक्षा अभियान में जोड़ा जाएगा। जिले के सभी थानों को अलर्ट पर रखा है। होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट पर सर्चिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के चलते महू सैन्य छावनी में अलर्ट है। यहां स्थानीय पुलिस के साथ शहर में 30 सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पेट्रोलिंग वाहन 24 घंटे गश्त कर रहे हैं। एक पेट्रोलिंग वाहन शहर के सैन्य इलाके के बाहरी सिविल क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग कर रहा है। एएसपी रुपेश द्विवेदी ने बताया मॉकड्रिल के समय जो अलर्ट के निर्देश मिले थे। वे ही निर्देश फॉलो किए जा रहे हैं। पुलिस ने सैन्य क्षेत्र से जुड़े बंदा बस्ती हैदराबादी बस्ती सहित अन्य क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्चिंग की। बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला ने ङ्क पर लिखा- आतंक के खिलाफ भारत की इस लड़ाई में तुर्किये हमारे दुश्मन के साथ खड़ा है। मैंने अभी देश के चार बड़े ट्रैवल पोर्टल्स के चेयरमैन को ट्वीट कर टर्किश एयरलाइंस से सारे रिश्ते तोड़ने और अपने पोर्टल और एप्स से उनको डिलिस्ट करने का आग्रह किया है। आप भी इन्हें ट्वीट कीजिए। देश के दुश्मन तुर्किये को सबक सिखाना धंधा करने से ज्यादा जरूरी है।

इसी माह भरना होगी आईएएस अफसरों को पीएआर

भारतमत संवाददाता

भोपाल। प्रदेश के सभी आईएएस अधिकारियों को अपनी परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) भरने के लिए केंद्र सरकार ने निर्देश जारी कर दिए हैं। यह पीएआर सभी आईएएस को इसी माह 31 मई तक भरना होगी। इसके बाद यह रिपोर्टिंग अथारिटी को ऑटो फारवर्ड हो जाएगी। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी अफसरों को सेल्फ एसेसमेंट से पीएआर भरने के निर्देश जारी किए हैं। पीएआर ऑटो फारवर्डिंग सिस्टम से हर माह सीनियर अफसर तक पहुंचेगी। डीओपीटी के अनुसार एक अप्रैल के बाद साल 2024-25 के लिए आईएएस अफसरों को अपनी पीएआर भरना है। इसके लिए सेल्फ असेसमेंट की टाइमलाइन 31 मई तय की गई है। पीएआर साफ्टवेयर पर यह असेसमेंट अपलोड होने के बाद एक जून को रिपोर्टिंग अथारिटी के पास ऑटो फारवर्ड हो जाएगी। जिस आईएएस अधिकारी के सीनियर अफसर के पास रिपोर्टिंग अथारिटी का प्रभार होगा, वह 31 जुलाई तक अपनी टीम संबंधित अफसर के बारे में पीएआर एसेसमेंट में दर्ज कर सकेंगे।

नेशनल लोक अदालत में 271 प्रकरण निपटे इक्कीस लाख से अधिक का मिला राजस्व

समझौते पर निराकृत प्रकरणों के पक्षकारों का न्यायाधीशों द्वारा पौधा देकर किया स्वागत

भारतमत संवाददाता

भितरवार। राष्ट्रीय व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 10 मई शनिवार को भितरवार के सिविल न्यायालय में तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व व्यवहार न्यायाधीश पूनम कटारिया की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसकी गठित तीनों बैंच और विभिन्न वित्तपोषित संस्थाओ के माध्यम से 271 प्रकरणों में पक्षकारों ने आपसी समझौता करते हुए प्रकरणों का निराकरण कराया जिसमें 301 पक्षकार लाभान्वित हुए तो वहीं 21 लाख 71 हजार 100 रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया।

सिविल न्यायालय परिसर मे तहसील इकाई विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व व्यवहार न्यायाधीश पूनम कटारिया, व्यवहार न्यायाधीश संजय जैन, व्यवहार न्यायाधीश पंकज गोंडू भालेराव एवं अभिभाषक संघ के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने अन्य उपस्थित न्यायालय कर्मचारियों और अभिभाषको की मौजूदगी में मां सरस्वती का पूजन कर एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इसके बाद सिविल न्यायालय के परिसर के अलग-अलग न्यायालयों में प्रकरणों की सुनवाई की गई। इस दौरान व्यवहार न्यायाधीश पूनम कटारिया के न्यायालय में 4 अपराधिक प्रकरणों में माननीय न्यायाधीश की समझाइस के बाद दोनों ही पक्ष के पक्षकार आपस में राजीनामा करने को तैयार हो गए जिस पर आपसी समझौते पर 14 लोग लाभान्वित हुए। इसी प्रकार चेक बाउंस के एक प्रकरण में 02 लोगों को लाभान्वित करते हुए 2 लाख 49 हजार रुपए का राजस्व प्राप्त किया। इसी प्रकार सिविल के एक प्रकरण में समझौते पर पांच लोग लाभान्वित हुए। इसी प्रकार व्यवहार न्यायाधीश संजय जैन के न्यायालय में आपराधिक प्रकरणों के सात प्रकरणों में पक्षकारों के बीच समझौता हुआ जिसमें 19 लोग लाभान्वित हुए। इसी तरह व्यवहार न्यायाधीश पंकज गोंडू भालेराव के न्यायालय में अपराधिक मामलों के 09 प्रकरणों मैं पक्षकारों के बीच समझौता हुआ जिसमें 23 लोग लाभान्वित हुए। इस दौरान विभिन्न वित्त पोषित संस्थाओं के रूप में बैंकों के लंबित प्रकरणों के निराकरण को लेकर विभिन्न बैंक शाखाओ के द्वारा न्यायालय परिसर में काउंटर लगाए गए जहां बैंक शाखाओ के लंबित 12 प्रकरणों में आपसी समझौते पर 13 लोगों को लाभ प्राप्त हुआ और 13 लाख 12 हजार रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार नगरीय निकाय प्रशासन के लगे काउंटर पर नगरीय निकाय के जलकर संपत्ति कर आदि में दी गई अधिभार की छूट का लाभ उठाते हुए 225 प्रकरणों के निराकरण के साथ 227 लोग लाभान्वित हुए, तो वहीं 6 लाख 10 हजार 100 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इस दौरान कुल 2 71 प्रकरणों का निराकरण न्यायाधीशों की समझाइस के बाद पक्षकारों में आपसी समझौता हुआ जिसमें कुल 301 लोगों को लाभ प्राप्त हुआ तो वही शासन को 21 लाख 71 हजार 100 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इस दौरान आपकी समझौते के बाद प्रकरण निराकरण के साथ वन विभाग के सहयोग से सभी पक्षकारों को सम्मानित करते हुए पौधा भेंट किया गया और दिए गए पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने का संकल्प भी दिलवाया गया। इस दौरान नेशनल लोक अदालत को लेकर न्यायालय परिसर में लगे विभिन्न वित्त पोषक संस्थाओं के काउंटरों पर भी न्यायाधीश पहुंचे और गर्मी के मौसम को देखते हुए न्यायालय परिसर में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ ही सभी को अधिक से अधिक प्रकरणों में समझौता के आधार पर राजस्व प्राप्त कर प्रकरणों के निराकरण संबंधी निर्देश नेशनल लोक अदालत शुरू होने के साथ ही दिए। इस दौरान नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन में सभी अभिभाषक, न्यायालय कर्मचारियों के द्वारा दिए गए सहयोग पर तहसील प्राधिकरण अध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

रेत का खूनी खेलः ट्रैक्टर निकालने को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ हिंसक विवाद, पुलिस ने किया मामला दर्ज

भितरवार थाना क्षेत्र के करियावटी गांव की है घटना

भारतमत संवाददाता

भितरवार। भितरवार थाना क्षेत्र के करियावटी गांव में खेत से रेत के ट्रैक्टर निकालने को लेकर परिहार और ब्राह्मण समाज के लोगों के बीच बीते रोज विवाद हो गया था जिसने शनिवार की सुबह हिंसक रूप ले लिया। जिसमें परिहार समाज के लोगों ने ब्राह्मण समाज के लोगों पर हमला कर दिया जिसमें दो लोग घायल हो गए जिनका उपचार ट्रॉमा सेंटर ग्वालियर में किया जा रहा है तो वही पुलिस ने परिहार समाज के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बता दें कि करियावटी गांव निवासी मुकेश दुबे, सोनू दुबे आदि के खेत गांव के नजदीक से सांखनी रोड स्थित पार्वती नदी के पुल के पास खेत है तो वही गांव के ही परिहार समाज के रामाधार, विष्णु ,हेमंत इत्यादि के भी खेत हैं जिनमें से होकर रेत के ट्रैक्टर निकालने को लेकर दोनों ही जाति वर्ग के लोगों के बीच शुक्रवार की शाम कहा सुनी हो गई थी। हालांकि तब मामला अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद शांत हो गया था। लेकिन शनिवार की सुबह तकरीबन 11ः00 बजे अचानक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान मुकेश दुबे और सोनू दुबे करियावटी बस स्टैंड के पास स्थित अपनी दुकान पर बैठे हुए थे इसी दौरान रामाधार परिहार, विष्णु परिहार, हेमंत परिहार सहित कुछ अन्य लोग लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस होकर आ गए और उन्होंने दोनों के ऊपर हमला कर दिया। हमले में मुकेश और सोनू गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें सीधे ग्वालियर ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है। उक्त घटना में परिवार के अन्य सदस्यों को भी चोटे आई है। वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद भितरवार पुलिस मौके पर पहुंची जहां पुलिस ने पीड़ित घायलजनों की ओर से परिहार समाज के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।

वहीं सूत्रों के हवाले से घटना को लेकर बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह तकरीबन 11ः00 बजे जैसे ही परिहार समाज के लोगों ने दुकान पर बैठे दोनों लोगों पर हमला किया उसके बाद दोनों ही पक्षों की ओर से करियावटी बस स्टैंड पर 15 से 20 राउंड आसमानी फायर किए जाने की जांच सूचना दी जा रही है। हालांकि फायर किए जाने की बात से पुलिस द्वारा इनकार किया जा रहा है। साथ ही कहा जा रहा है कि मामले की हर एंगल पर जांच की जा रही है उसी के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

श्रीकृष्ण को दरिद्रता से बचाने सुदामा ने चुराए चनेःलाड़ली

भारतमत संवाददाता

मराठा बोर्डिंग में माधवी राजे की स्मृति में आयोजित भागवत कथा का समापन

ग्वालियर। यदि हम किसी का हक चुराते हैं तो हमें दरिद्र बनना पड़ता है। सुदामा के लिए भी यह कहा जाता है कि उन्होंने श्रीकृष्ण के हिस्से के चने खाए, इसलिए वो दरिद्र हो गए,लेकिन सच यह है कि सुदामा नहीं चाहते थे कि उन शापित चनों को खाकर श्रीकृष्ण के हिस्से में दरिद्रता जाए, इसलिए उन्होंने वो बैर खाए। यह विचार सुधि उपाध्याय लाड़ली सरकार ने मराठा बोर्डिंग में कैलाशवासी माधवीराजे की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस शनिवार को व्यक्त किए। अंतिम दिवस हवन पूजन एवं पूर्णाहूति हुई। महाराष्ट्र हितचिंतक सभा द्वारा आयोजित भागवत कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं के बीच कथा रस वर्षा करते हुए लाड़ली सरकार ने कहा कि जीवन में कितना ही विपरीत समय क्यों न आ जाए, हमें भगवान का सुमरिन नहीं भूलना चाहिए। यदि हम भगवान क ी शरण में रहेंगे तो हमारे सारे कष्टें को दूर कर जीवन को आनंद से भर देगा। सुदामा इतने दरिद्र हो गए कि दो वक्त के खाने के लिए भी नहीं था। जब वे फटेहाल द्वारिकाधीश से मिलने पहुचे तो द्वारपालों ने उन्हें अंदर जाने से रोका,लेकिन श्रीकृष्ण को पता चला कि उनके बालसखा सुदामा आए हैं, वो उनसे मिलने दौड़ पड़े। अपने नेत्र जल से सुदामा के पैर धोए और वापसी में उन्हें धन्य धान्य से परिपूर्ण कर दिया, इसलिए भगवान का भजन करते हुए धैर्य बनाए रखें, जीवन में यदि दुख है तो सुख भी आएगा। अंतिम दिवस भजनों पर श्रद्धालुओं ने बिना थके जमकर नृत्य किया। इस मौके पर संत कृपाल सिंह महाराज, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा कथा परीक्षत नितिन हर्षा कौंडे, दिलीप शिंदे, बाबा हांडे, तरुण वर्गे, संजय शिंदे, राजेंद्र शिंदे,, भास्कर राव काले, सचिन खानविलकर, मराठा बोर्डिंग के अध्यक्ष बालराज शिंदे, कार्यक्रम संयोजक संग्राम कदम, सहसंयोजक संजय सूर्यवंशी, रविंद्र पाटनकर, गुरू देवेंद्र उपाध्याय, मीडिया प्रभारी गजेंद्र इंगले प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मात-पिता दिवस पर अनूप जलोटा ने गाया अनिल गुप्ता ग्वालियरी का गीत

मात-पिता दिवस पर अनूप जलोटा ने गाया अनिल गुप्ता ग्वालियरी गीत

मात-पीता के श्री चरणों में

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर शहर के 55 बी,तानसेन? नगर निवासी अभिनेता,गीतकार ,लेखक का मात-पिता पर लिखा गीत मात पिता के श्री चरणों में,, बहुत पसंद आया और मन भावना से मधुर आवाज में गाया है और इसकी प्रशंसा करते हुए, इसे अपने *एल्बम-हे प्रभु मेरे मे स्थान दिया है। आनेवाला है मां की महिमा अपम्पार भी उनकी आवाज में सुनने को मिलेगा। अनूप जलोटा जी के तीन एलबम-भजन शीतल,,हे प्रभु मेरे और कृष्ण अर्पण में अनिल के 7 भजन गाये है। जो मुम्बई की प्रसिद्ध एन.ए.कंपनी के नारायण अग्रवाल द्वारा जारी किये गये है। दीपावली पर अनूप जलोटा जी का गाया अनिल का गीत राम को पुकार ले का वीडियो भी रिलीज हुआ है जिसमें अनिल ने अभिनय किया है। विदित हो,अनिल का बचपन से लेखन?,अभिनय में रुझान? रहा है। अनिल ने मंचीय नाटक, डी.डी.सीरियल *नींव, वीडियो फिल्म, वैव सिरीज-आखिर कौन ? जिसमें अभिनय किया है और पटकथा संवाद लिखे है,जल्दी ही आनेवाली है। सभी ने अभिनय और लेखन प्रशंसा की है । अभी बोलीवुड के निर्देशक इकबाल अली,आमिल खान? ने अपने विशेष यूट्यूब चैनल? अनिल को ले कर * टेक टेक बनाया।

शिविर में श्रीमद्भागवत के श्लोक, सामवेद संगीत और सनातन संस्कारों से बच्चों को मिली सीख

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर, कृष्णायन सांस्कृतिक पुनर्जागरण शिविर के छठवें दिन का आयोजन ज्ञान, सेवा, संगीत और संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर रहा। दिन की शुरुआत श्रधेय स्वामीजी के प्रेरणादायक संवाद से हुई, जिसमें उन्होंने बच्चों को आत्मचिंतन हेतु प्रेरित किया और बीते पांच दिनों की सीख का पुनरावलोकन कराया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी अनुभूतियाँ साझा कीं।इसके पश्चात् प्रसिद्ध वैदिक संगीत विशेषज्ञ श्री रविन्द्र कुलश्रेष्ठ जी ने सामवेद संगीत पर विचार व्यक्त करते हुए बांसुरी वादन की मूल विधियों को सहजता से समझाया।'स्वर्ग सदन' संस्था के संचालक श्री विकास गोस्वामी जी ने अपनी सेवा यात्रा साझा करते हुए बताया कि कैसे छोटे-छोटे मानवीय प्रयास बेसहारा और पीड़ित लोगों के जीवन में आशा की किरण बन सकते हैं। उनकी संवेदनशील बातें बच्चों के मन में करुणा और सेवा भावना का संचार कर गईं। इसके बाद श्रीमती सीमा कालिया जी ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का वाचन कराया और कथाओं के माध्यम से जीवन के मूल्यों को सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया।गौ विज्ञान पर श्री अनिरुद्ध त्रिपाठी जी ने देशी गाय के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व को प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने ,2 प्रोटीन, सूर्यकेतु नाड़ी और गौमाता से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा जैसे विशिष्ट पहलुओं पर प्रकाश डाला और बच्चों को गौ सेवा के लिए प्रेरित किया।अंत में ग्वालियर नगर निगम के पार्क विभाग से पधारे श्री आशीष मंगल जी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्थलों की देखरेख के विषय में प्रेरक संवाद किया।

श्रीम सेवा समिति द्वारा डॉ. संदीप के मुख्य आतिथ्य में मरीजों व तीमारदारों को फल वितरण

झाँसी। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अपने विवेक, क्षमता और सामर्थ्य अनुसार अपने-अपने पथ पर चलते हैं यदि कोई आपका पथ का अनुसरण कर रहा हो तो निश्चित रूप से मान लीजिए आप सही पथ पर गमन कर रहे हैं। बुंदेलखंड में कई समाजसेवी हुए जिन्होंने सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए लोगों के उत्थान हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो नाम मात्र व दिखावे की समाजसेवा कर अपना नाम चमकाने और समाजसेवी की पदवी की आड़ लेकर अपने गोरख धंधे चलाने का प्रयास करते रहते हैं। लेकिन बुंदेलखंड में संघर्ष सेवा समिति ने वह कर दिखाया जो अप्रत्याशित था, लंबे समय से बिना किसी अन्य से आर्थिक सहायता लिए भेदभाव से परे और निस्वार्थ रूप से सहायता करते हुए समिति के संस्थापक डॉ0 संदीप ने लोगों के समक्ष एक अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है, डॉ संदीप के कार्यों को देखते हुए अब कई लोग समाज सेवा के क्षेत्र में जुड़ने लगे हैं। डॉ संदीप के पथ पर गमन करते हुए सीपरी बाजार निवासी अनीता सिंह ने श्रीम सेवा समिति का बीजारोपण किया जो समाज सेवा के क्षेत्र में धरातल स्तर पर कार्य कर रही है। श्रीम सेवा समिति के तत्वाधान में जिला चिकित्सालय में 150 से अधिक मरीजों एवं तीमारदारों को फलों का वितरण किया गया। डॉ संदीप को समाजसेवा का आदर्श मानते हुए अनीता सिंह ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर फलों का वितरण कराया। इस अवसर पर अनीता सिंह ने कहा झांसी जनपद और आसपास के क्षेत्र में संघर्ष सेवा समिति ने अपने कार्यों की दम पर अपना नाम रोशन किया है। आज कहीं भी समाजसेवा के संबंध में चर्चा होती है तो संघर्ष सेवा समिति और डॉक्टर संदीप का नाम सबसे पहले लिया जाता है। मैं काफी समय से संघर्ष सेवा समिति से जुड़ी हुई हूं मैंने समिति के कार्यों से प्रेरित होकर अपनी क्षमतानुसार लोगों की सहायता करने का प्रण लिया है। आज हमने यह छोटा सा प्रयास किया है निश्चित रूप से हमारा संगठन आगे भी असहाय और पीड़ितों की सहायता के लिए तत्पर रहेगा। इस अवसर पर अवधेश कुमारी, डॉ डी.एस. गुप्ता, रानी सिंह, रजनी सेठी, प्रेमलता, कवेरी, मीना मसीह, सुधा गुप्ता, सुमन वर्मा, कुसुम साहू, रमेश चौहान, नेहा चौबे, अरुण पांचाल, संदीप नामदेव, आशीष विश्वकर्मा, दीक्षा साहू, सुशांत गुप्ता, राजू सेन, हनी शिरोरिया, कीर्ति गुप्ता, निर्मला परिहार, अनिता कुशवाहा, रुक्मणी परिहार, रजनी ठाकुर, पूजा उपाध्याय, चित्रा परिहार, मनीष ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

बेटियां ब्रह्म विधि से करें विवाह -पं. गजेंद्र कामर्थी

भारतमत संवाददाता

सांखनी में रुक्मणी विवाह और सुदामा चरित्र प्रसंग के साथ कथा का हुआ समापन

भितरवार। अनुविभाग के ग्राम सांखनी के खेरापति माता मंदिर पर ग्राम के पंडा परिवार द्वारा कराई जा रही श्रीमद् भागवत कथा के समापन से पूर्व सप्तम दिवस शनिवार को कथा व्यास पं. गजेंद्र कामर्थी महाराज ने श्री कृष्ण एवं रुक्मणी के विवाह के प्रसंग के संदर्भ में बतलाया कि विवाह तीन प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रथम विवाह ब्रह्म विवाह कहलाता है। दूसरा विवाह गंधर्व विवाह होता है और तीसरा राक्षस विवाह होता है। आज के समय में न तो ब्रह्म विवाह हो रहा है और न गंधर्व विवाह विधि से। जो विवाह हो रहा है उसमें न जाने कितने माता-पिता के सपने दव कर रह जाते हैं। जो पिता और माता ने सपने देखे जब बेटी किसी दूसरी कास्ट में प्रेम विवाह करती है। गंधर्व विवाह करती है तो उन उन माता-पिता ने जो सपने देखे हैं उनके सपने दवे के दवे रह जाते हैं। वहीं उन्होंने व्यास गद्दी से कथा पंडाल में मौजूद बहन बेटियों से प्रार्थना करते हुए कहा कि गंधर्व और राक्षस विवाह न करके आप ब्रह्म विवाह करें। इस दौरान उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के 16 हजार 108 विवाह के साथ सुदामा चरित्र के प्रसंग का वर्णन किया। इस दौरान भागवत कथा व्यास श्री कामर्थी महाराज ने श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह का संक्षिप्त वर्णन सुनते हुए कहा कि विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणी बुद्धिमान, सुंदर और सरल स्वभाव वाली थीं। पुत्री के विवाह के लिए पिता भीष्म योग्य बर की तलाश कर रहे थे। इधर राजा के दरबार में श्री कृष्ण की वीरता और साहस की प्रशंसा की गाथा सुनकर रुक्मणी ने उन्हें मन ही मन अपना पति मान लिया था। भगवान श्री कृष्णा ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। जिसको लेकर कथा में आकर्षक झांकी भी सजाई गई। वहीं उन्होंने मित्रता के प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि श्री कृष्ण और सुदामा एक निश्छल प्रेम की मित्रता थी। अमीरी गरीबी का भेदभाव नहीं था लेकिन आज की मित्रता अमीरी-गरीबी, ऊंच नीच के बीच स्वार्थ बस की जाने वाली मित्रता है। अगर किसी से मित्रता करो तो सुदामा और श्री कृष्ण जैसी मित्रता करो उसकी हर दुख तकलीफ में उसका साथ निभाओ। इस दौरान आकर्षक मनमोहक झांकी भी प्रस्तुत की गई। तो अंत में राजा परीक्षित के उधर और सुखदेव पूजन की कथा का वर्णन सुनकर कथा को विश्राम दिया गया। कथा परीक्षित जनपद सदस्य आरती मनीष पंडा के अलावा अन्य परिवार जनों द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की आरती उतार कर प्रसादी का वितरण कराया गया।

सम्पादकीय

पाकिस्तानी नेता और सेना के अधिकारियों के अरबों रूपया विदेशों में ट्रान्सफर

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों ने अपना पैसा दुबई भेजना शुरू कर दिया है। पिछले तीन-चार दिनों के अंदर बड़े-बड़े फौजी अफसरों ने करोड़ों रुपए की रकम दुबई के बैंकों में ट्रांसफर की है। स्टेट बैंक ऑफ़ पाकिस्तान ने फॉरेन ट्रांजैक्शन को चेक किया, तो बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों द्वारा अरबों रूपया कई देशों में ट्रांसफर किया गया है। स्टेट बैंक पाकिस्तान ने सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों को विदेश पैसा भेजने के मामले में जानकारी मांगी है। पिछले चार दिनों मे पाकिस्तान से अरबों रुपया दुबई, अमरीका, कनाडा और ब्रिटेन में ट्रांसफर किया गया है। इस रकम को रियल स्टेट में बड़ी मात्रा में निवेश किया गया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तेजी से कमजोर हो रही है। पाकिस्तान इस समय जिस गहरे आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। वह अकेले वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम नहीं है। पाकिस्तान में दशकों से कट्टरवाद, भ्रष्टाचार और सैन्य वर्चस्व के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बद से बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान का कर्ज 80 हजार अरब रुपये के पार पहुंच गया है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर पर है। पाकिस्तान की आम जनता को रोटी-दूध जैसे जरूरी सामान के लिए संघर्ष कर रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, कि पाकिस्तान अभी भी अपनी नीतियों में बदलाव करते हुये नहीं दिख रहा। उलटे भारत से लड़ने के लिए तैयार है। पाकिस्तान की वर्तमान अर्थव्यवस्था इस बात का संकेत है। युद्ध होने से पाकिस्तान को आंतरिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिली राहत भी बेमानी साबित हो रही है। कर्ज की किश्तों को चुकाने के लिए नए कर्ज लेने की मजबूरी पाकिस्तान की बनी हुई है। भारत के साथ युद्ध के परिदृश्य में भारत के लिए दो सबसे बड़ी चिंतायें है। पहली पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता से सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद और घुसपैठ को बढ़ावा मिल सकता है। दूसरी चिंता चीन की है। चीन भारत की पीठ पर पीछे से वार कर रहा है। वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की गिरती साख भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करता है। भारत दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति है। पाकिस्तान को समझना होगा, आतंकवाद के सहारे और सेना को लोकतंत्र से ऊपर रखकर आगे नहीं बढा जा सकता है। कट्टरवाद के सहारे कोई राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता है। पाकिस्तान को आर्थिक और राजनीतिक ढांचे में व्यापक स्तर पर बदलाव करने होंगे। अन्यथा गंभीर परिणाम झेलने के लिए पाकिस्तान को तैयार रहना होगा। पाकिस्तान के नेता और सेना के अधिकारी जिस तरह से अपना धन विदेशों में ट्रांसफर कर रहे हैं। उससे स्पष्ट है, भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध में उन्हें पाकिस्तान की कमजोरी का एहसास है। सत्ता में बैठे नेताओं और सेना के अधिकारियों पर कभी भी गाज गिर सकती है। जिसके कारण वह विदेश में पैसा ट्रांसफर कर भागने की तैयारी कर रहे हैं। स्पष्ट है, पाकिस्तान के नेता और सैन्य अधिकारी समय-समय पर पाकिस्तान छोड़कर विदेशों में शरण लेकर भ्रष्टाचार से बचते रहे है। पिछले 5 दशकों में सैकड़ों नेताओं और सेना के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगने और सत्ता से बेदखल होने पर विदेश भागकर अपने आपको सजा से बचाया है। वर्तमान में जिस तरह से नेता और सैन्य अधिकारी पाकिस्तान में जमा धन विदशों में ट्रांसफर कर रहे है। उससे स्पष्ट है पाकिस्तान की नाव डूबने जा रही है। जिसके कारण नेता और सेना के अधिकारी भागने की तैयारी कर रहे हैं।

राशिफल

मेष: कुटुम्ब में तनाव, क्लेश व अशांति, व्यर्थ का व्यय तथा प्रतिष्ठा हानि होगी।

वृष: इष्ट मित्र से सुख, अधिकारियों से मेल-मिलाप, समय लाभप्रद बना ही रहेगा।

मिथुन: अर्थ व्यवस्था अनुकूल हो, सफलता के साधन जुटायें तथा कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क : मनोवृत्ति उदार बनाये रखें, तनाव व क्लेश से हानि की संभावना बनी रहेगी।

सिंह: समय नष्ट न करें, व्यवसायिक गति रहे, असमंजस की स्थिति से बच कर चलें।

कन्या आर्थिक योजना सफल हो, व्यवसायिक क्षमता अवश्य अनुकूल बनी रहेगी।

तुला धन का व्यय, परिश्रम से हानि, मानसिक उद्विघ्नता से आप दूर चलें।

वृश्चिक स्त्री कार्य से क्लेश व हानि, विघटनकारी तत्व आप को परेशान कर सकते हैं।

धनु कुटुम्ब की समस्या सुलझे तथा धन का व्यय होगा, व्यर्थ भ्रमण आवश्य ही होगा।

मकर अर्थ व्यवस्था छिन्न-भिन्न रहे, छोटे कार्य व्यय से कार्यगति मंद हो सकती है।

कुंभ दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, चिन्ताऐं कम होंगी, सफलता के साधन जुटाएंगे।

मीन मनोबल उत्साह वर्धक होवे तथा कार्यगति अनुकूल अवश्य ही बन जाएगी।

भारतीय परमाणु परीक्षण पोखरण 2 की सफलता: डॉ भाभा की देन

(लेखक - संजय गोस्वामी)

(नेशनल टेक्नोलॉजी डे 11मई 25पर विशेष)

भारत में महान परमाणु वैज्ञानिक डा भाभा की योजना को साकार करने की दिशा में पहला कदम था अप्सरा अनुसंधान रिएक्टर का निर्माण जिसे भारत व यूनाइटेड किंगडम की सहायता से सन 1956 में अप्सरा रिएक्टर क्रांतिक यानी चालु हो गया व यूनाइटेड किंगडम द्वारा आवश्यक ईंधन यूरेनियम की आपूर्ति की गई यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह स्वमिंग पुल रिएक्टर है जिसके उपर से सभी नाभिकीय अभिक्रिया दिखाई देता है ।अप्सरा रिएक्टर के पूरा होने से पहले, साइरस रिएक्टर के निर्माण की योजनाएँ तैयार की गई। कनाडा के सहयोग से भारत के मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सन 1955 में साइरस (ष्ट्वृक्रस्) रिएक्टर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ इसमें ईंधन व भारी पानी की आपूर्ति में यू.एस. की भागीदारी आई।बाद में भारत में ही रिएक्टर के लिए भारी पानी ड्यूटोरियम, फरवरी 1982 में भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जाने लगा। रेडियो आइसोटोप विकसित करने के अनुसंधान रिएक्टरों की जरूरत होती है जिसमें विखंडित कृत्रिम तत्व से रेडियो आइसोटोप बनाया जाता हे जिससे गामा या अल्फा किरणें निकलती है , गामा किरणों के प्रभाव से कैंसर के सेल को खत्म किया जाता है व इन किरणों के प्रभाव से फसल की पैदावार को बढ़ना व खाद्य पदार्थों को बहुत दिनों तक सुरक्षित रखना इसके अलावा वेल्डिंग त्रुटि को पहचान हेतु औधौगिक रेडियोग्राफी में बहुतायत में उपयोग किया जाता है जैसे गामा-किरणों के विकिरण में आइसोटोप से उत्सर्जित ऊर्जा कृत्रिम रूप से उत्पादित आइसोटोप का गामा रेडियोग्राफी के क्षेत्र में उपयोग होता हैं। .अल्फा एमिटर आइसोटोप का उपयोग पेसमेकर, सैटेलाइट बैटरी, व स्मोक डिटेक्टर में किया जाता है।पोखरण परमाणु परीक्षण 2 को 11,मई 1998 में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बहुत मेहनत से आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परिक्षण किया गया था लेकिन 11मई,1998 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कहीं और ज्यादा शक्तिशाली था व जिसे हाईड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है।जब एनपीटी की घोषणा 1970 में हुई थी अब तक 187 देशों ने इस पर साइन किए । इस पर साइन करने वाले देश भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं कर सकते हैं। हालांकि, वे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इसकी निगरानी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (ह्वश्व) करती हैं अत: भारत में उस समय स्व इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी उन्होंने देश की रक्षा के लिए परमाणु अस्त्र बनाने की इजाजत दी थी लेकिन अमेरिका के प्रतिबंध लगाने से परीक्षण करने में असमर्थ हो गयीं तब परमाणु वैज्ञानिकों ने अमेरिका को एक ऑफर दिया कि बहुत ही कम लागत में तारापुर में परमाणु बिजली घर लगाकर बिजली पैदा कर अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है क्योंकि परमाणु संयंत्र के बनाने में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को ज्यादा समय नहीं लगेगा इस पर अमेरिका सहमत हो गया और परमाणु बिजली घर के परियोजना को मंजूरी दे दी लेकिन कुछ साल बाद जब उसमें बहुत से यंत्र लगाकर कमिशन करना था तो उसे वैज्ञानिकों के अनुसार रणनीति बनाई गई और जब अमेरिका ने संयंत्र को न चलाने की वजह पुछी तो उन्होंने बताया कि उसे चलाने के लिए नाभिकीय ईंधन की जरूरत है और आपने नाभिकीय ईंधन देने पर बैन लगा दिया है अतः अमेरिका ने संयंत्र को चलाने के लिए भारत के लिए उस प्रतिबंध को हटा दिया व तारापुर परमाणु बिजली घर के लिए युरेनियम 238, जो नाभिकीय ईंधन के काम आता है को प्रदान कराया गया और परमाणु बिजली घर चालू हुआ इसके बाद भुक्तशेष परमाणु ईंधन को जमा किया गया जो पुन: परमाणु ईंधन के लिए उपयुक्त होता है लेकिन उसका (-235) का संवर्धन 20प्रतिशत के आस पास रहता है और इसी ईंधन को परमाणु शस्त्र का पदार्थ मानकर 1974 में पोखरन में परमाणु परीक्षण किया गया लेकिन वो उतना कारगर साबित नहीं हुआ इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने संयंत्र पर कड़ी निगरानी रखी व इसके लिए सैटेलाइट लगा दिया गया लेकिन इस कार्यक्रम को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने इसे आगे बढ़ाने को भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों से कहा, बाद में युरेनियम को और संवर्धित कर परमाणु परीक्षण की योजना बनाई गई।पोखरण परमाणु परीक्षण के लिए हमारे वैज्ञानिकों को तैयारी करने और पूर्वाभ्यास करने के लिए दिन रात जुटे रहें सिर्फ डेढ़ साल का समय मिला था। इस मिशन की गोपनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता थी।सन 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुन: परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था जब 1998 में स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अत: आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हूं अत: वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अत: भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए व यह काम सैटेलाइट जाने के ठीक ढ़ेड (1.5) घंटे के पहले ही करना होगा बाद में इसकी खबर पाकिस्तान के गुप्तचरों ने अमेरिका को बता दिया और अमेरिका ने सैटेलाइट घुमाने की अवधि करीब आधा घंटा कर दिया इससे पहले पता चलता वैज्ञानिकों ने सेना की वर्दी पहने व आधे घंटे के अंदर ही घास फूस का मचान/छत जैसा तैयार कर निचे घुस कर बहुत ही कठिन परिस्थितियों में गठ्ठा खोदने का काम किया जिसमें परमाणु परीक्षण किया जाता है।

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है मां

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(11 मई मातृत्व दिवस पर विशेष)

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मो नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्ठि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई

(लेखक- - डॉ सत्यवान सौरभ)

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के 9 ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रमुख आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर भी शामिल थे। भारतीय सेना ने 100 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादी अड्डों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। साथ ही, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एफ-16 विमान को मार गिराया। इस ऑपरेशन ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जय हिंद!

भारत ने हाल ही में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के खिलाफ एक ऐतिहासिक सैन्य ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जो केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारतीय सेना की ताकत, साहस और आत्म-निर्भरता का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ एक बड़े कदम के रूप में सामने आया और पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि जब बात अपनी सुरक्षा और सम्मान की होती है, तो भारत कभी भी पीछे नहीं हटेगा। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकवादियों के 9 ठिकानों को तबाह कर दिया। इन ठिकानों में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रमुख आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर शामिल थे। इस सैन्य कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और आतंकवादियों को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार के समझौते के लिए तैयार नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य और योजना

भारत के लिए आतंकवाद केवल एक सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकट बन चुका है। पाकिस्तान की ओर से निरंतर आतंकवादी हमलों और सीमा पार आतंकवाद के कारण भारत के नागरिकों और सैनिकों की जानों का नुकसान हो रहा था। इन हमलों में न सिर्फ भारतीय सेना के जवानों की शहादत हो रही थी, बल्कि निर्दोष नागरिकों की भी जानें जा रही थीं। भारत ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ कूटनीतिक और सैन्य तरीके से कदम उठाए हैं, लेकिन अब यह स्पष्ट हो चुका था कि आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के लिए एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की योजना को गुप्त रखते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी अड्डों पर हमले की रणनीति बनाई। इसके तहत भारतीय वायुसेना द्वारा भारी एयरस्ट्राइक की योजना बनाई गई, जिसमें 100 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया गया। इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर समेत 9 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना ने यह सुनिश्चित किया कि ऑपरेशन को हर पहलू से सफल और प्रभावी बनाया जाए, ताकि आतंकवादियों को कोई मौका न मिले और भारत के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ऑपरेशन सिंदूर की रणनीतिक सफलता

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि भारतीय सेना ने बिना किसी बड़े युद्ध के पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई में भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि वह किसी भी आतंकवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। भारतीय वायुसेना ने अपनी एयरस्ट्राइक के माध्यम से पाकिस्तान और पीओके के भीतर आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया। यह हमला इतनी सटीकता से किया गया कि न केवल आतंकवादियों के शरणस्थलों को नष्ट किया गया, बल्कि पाकिस्तान और आतंकवादियों को यह भी संदेश दिया गया कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस सैन्य कार्रवाई के दौरान भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एक एफ-16 विमान को मार गिराया, जो भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। यह घटना यह साबित करती है कि भारत अपनी वायुसीमा की सुरक्षा को लेकर अत्यधिक सतर्क है और कोई भी घुसपैठ बर्दाश्त नहीं करेगा। भारतीय सेना और एयरफोर्स की त्वरित प्रतिक्रिया ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है।

दुनिया पर असर और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया

ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति में कोई भी समझौता करने के लिए तैयार नहीं है। भारत के इस साहसिक कदम ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया। भारत ने यह साबित कर दिया कि वह किसी भी देश के आतंकवाद को अपने भीतर बर्दाश्त नहीं करेगा, चाहे वह देश पाकिस्तान हो या कोई और।

इस ऑपरेशन के बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में भारत की सैन्य क्षमता और रणनीतिक सोच की सराहना की गई। पाकिस्तान के कई सहयोगी देशों ने भारत की सैन्य कार्रवाई को लेकर बयान दिए, लेकिन इन बयानों से यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई को लेकर दुनिया के देशों का रुख सकारात्मक था। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भारत के इस कदम को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के रूप में देखा।

एक नजर

आपातकाल परिस्थितियों में निपटने के लिए मॉकड्रिल का किया गया आयोजन

उन्नाव। शनिवार शाम को पुलिस लाइन परिसर में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस, दमकल विभाग, एनसीसी कैडेट्स और रिटायर्ड सैन्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। मॉकड्रिल में आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड की कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया। घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और भीड़ नियंत्रण की रणनीति भी दिखाई गई। प्रतिभागियों को आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा के प्राथमिक देने का प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि आपात स्थिति में तत्परता और प्रशिक्षण से जान-माल की रक्षा की जा सकती है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की। कार्यक्रम में एडीएम सुशील कुमार गोंड, एएसपी अखिलेश सिंह, सीओ सोनम सिंह और एडीएम क्षितिज द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रतिभागियों को आवश्यक सुझाव दिए। मॉकड्रिल के दौरान आम नागरिकों को आपदा के समय उठाए जाने वाले कदमों और प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी गई। इस सफल आयोजन से स्पष्ट हुआ कि उन्नाव प्रशासन आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

रेलवे ट्रैक के पास लगी आग, दमकल ने पाया काबू

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर रेलवे रूट पर शनिवार दोपहर को गंगा घाट रेलवे स्टेशन के पास डाउन लाइन के किनारे आग लग गई। आग की लपटें जल्द ही रेलवे ट्रैक के नजदीक तक पहुंच गईं। रेलवे प्रशासन ने तुरंत उन्नाव दमकल विभाग को सूचित किया। घटना छमक नाली पुलिस चौकी क्षेत्र के पास, 108 छमकनाली प्वाइंट के नजदीक हुई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। इस दौरान रेल यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। सुरक्षा जांच के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आग जानबूझकर लगाई गई है। इस इलाके में पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। ट्रैक को नहीं हुआ नुकसान। अधिकारी आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आग से ट्रैक को कोई नुकसान नहीं हुआ है। यात्रियों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या रेलवे कर्मचारियों को देने को कहा गया है।

दीप प्रज्वलित कर लोक अदालत का शुभारंभ

उन्नाव। जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को लोक अदालत की शुरुआत हुई। जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। न्यायालय में कुल 10 खंडपीठों का गठन किया गया। इन खंडपीठों में राजस्व, पारिवारिक, विद्युत, बैंक ऋण और मोटर दुर्घटना प्रतिकर जैसे मामलों की सुनवाई हो रही है। श्रम विवाद, चेक बाउंस, सिविल व आपराधिक प्रकृति के सुलह योग्य मामले भी शामिल हैं। जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि लोक अदालतें न्यायिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यहां बिना अधिक खर्च और लंबी प्रक्रिया के मामलों का समाधान होता है। आयोजन मंडल के अनुसार इस विशेष लोक अदालत में 60 हजार से अधिक मामलों को चिन्हित किया गया है। अधिकांश मामलों में आपसी सहमति से निपटारे की संभावना है। कई मामलों में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि लोक अदालतें न्यायपालिका और जनता के बीच सेतु का काम करती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने विवादों का समाधान आपसी समझौते और लोक अदालत के माध्यम से करें। न्यायालय में सुबह से ही पक्षकारों की भीड़ देखी गई। त्वरित समाधान के लिए न्यायिक अधिकारियों के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी और बैंक प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर जिले के तमाम न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मचारी व पक्षकार उपस्थित रहे। लोक अदालत का यह आयोजन शाम तक जारी रहेगा और इसके अंत में निष्पादित मामलों की संख्या को सार्वजनिक किया जाएगा। इस पहल से न्याय की प्रक्रिया को गति मिलेगी और लोगों का विश्वास न्याय व्यवस्था में और प्रगाढ़ होगा।

मार्जिनल बांध का तेजी से चल रहा निर्माण कार्य

उन्नाव। शुक्लागंज रविदास नगर के पास मार्जिनल बांध का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। सिंचाई विभाग ने बरसात से पहले कटान रोकने के लिए आठवीं जियो ट्यूब का काम शुरू कर दिया है। इससे पहले सात जियो ट्यूब पहले ही लगाई जा चुकी हैं। शुक्लागंज के रविदास नगर, संग्राम खेड़ा, गंगा घाट और रामनगर में हर साल बाढ़ की समस्या आती है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से कटान होता है। इससे नदी किनारे रहने वाले हजारों लोगों की जान और संपत्ति को खतरा रहता है। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता ने बताया कि जियो बैग भी लगाए जा रहे हैं। ये बैग बाढ़ के दौरान तेज बहाव से मिट्टी के कटान को रोकते हैं। इस तकनीक से पानी की दिशा नियंत्रित होती है। साथ ही तटबंध मजबूत होता है। बांध निर्माण में जियो ट्यूब तकनीक पिछले कुछ सालों में कारगर साबित हुई है। रेत और सीमेंट से भरे ये ट्यूब किनारों पर विशेष तरीके से लगाए जाते हैं। विभाग का कहना है कि बाढ़ से पहले काम पूरा कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य पर संतोष जताया है। रविदास नगर के रामशंकर ने कहा कि हर साल बाढ़ का डर रहता था। इस बार प्रशासन समय रहते काम करवा रहा है। लोगों की मांग है कि काम समय पर पूरा हो और गुणवत्ता बनी रहे।

प्रेम-प्रसंग में युवक की मौत, पथराव

» हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा

फर्रुखाबाद। जहानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरीखेड़ा गांव में प्रेम प्रसंग एक युवक की जान का कारण बन गया। शिवा (23) पुत्र अनिल राजपूत निवासी नगला चाहर पीछे कई दिनों से लापता था उसका सब मक्का के खेत में मिला। जानकारी के अनुसार, शिवा पेशे से ट्रक चालक था और एटा निवासी ट्रक मालिक के अधीन कार्य करता था।

रविवार को वह ट्रक लेकर कानपुर गया हुआ था। तभी कोरीखेड़ा गांव निवासी स्वीटी सक्सेना ने फोन कर उसे अपने घर बुलाया। प्रेमिका के बुलावे पर शिवा ट्रक वहीं छोड़कर सीधे कोरीखेड़ा पहुंचा, लेकिन इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला।गुरुवार की शाम गांव के ही पूर्व प्रधान शैलेश के मक्का के खेत में शिवा का शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शव की पहचान होते ही परिजनों ने हत्या की आशंका जताई और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर दिया है। शनिवार सुबह शिवा के परिजन और ग्रामीणों की भीड़ शव को लेकर थाना जहानगंज पहुंची और थाने के बाहर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लेखपाल और पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ाजब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, तो माहौल उग्र हो गया और पथराव शुरू हो गया। थाना दिवस चल रहा था, पथराव की चपेट में थाने में मौजूद कई लेखपाल और पुलिसकर्मी आ गए। उन्हें जान बचाकर भागना पड़ा। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद में पुलिस ने स्वयं ट्रैक्टर स्टार्ट कर शव को हटवाया और जाम खुलवाया।घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह, क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद राजेश द्विवेदी, थानाध्यक्ष जहानगंज जितेंद्र पटेल सहित नवाबगंज, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, फतेहगढ़ थानों की फोर्स और बुलाई गई पीएसी की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि शिवा की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते की गई है। वे प्रेमिका और उसके परिवार से पूछताछ की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के बाद जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि हालात को काबू करने के लिए मजबूरन पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

भारतीय सेनाओं के सम्मान में निकलेगी भारत शौर्य तिरंगा यात्रा, तैयारी पूरी

फर्रुखाबाद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में, "भारत शौर्य तिरंगा यात्रा रविवार को समस्त जिलों में आयोजित की जा रही है।

इसका शुभारंभ प्रात: 08:30 बजे, 5 कालिदास मार्ग, लखनऊ से प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। इस यात्रा में जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, सेना/अर्धसैनिक बल, सिविल डिफेंस, एनसीसी/एनएसएस/स्काउट व छात्र-छात्राएँ तिरंगा और देशभक्ति के नारों के साथ सम्मिलित होंगे। कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में यात्रा की तैयारीयो को लेकर बैठक का आयोजन कर यात्रा को भव्य तरीके से आयोजित करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिये गये यात्रा फतेहगढ़ स्टेडियम से शुरू होकर छोटी जेल चौराहा पुलिस लाइन होती हुई स्टेडियम में समाप्त होगी,इस यात्रा में सभी लोग भाग लेकर भारतीय सेनाओं का मान बढ़ाये एवं सुबह 08:00 बजे स्टेडियम पहुचेआइए, एक ध्वज, एक स्वर में सेना को सम्मान दें।

पांच उपकेंद्रों पर बिजली के शट डाउन के चलते नहीं आई बिजली, हाहाकार

कानपुर। शनिवार को विद्युत विभाग के एलटी लाइन डालने और विद्युत केबल मरम्मत कार्य के चलते अलग-अलग इलाकों में बिजली का शटडाउन किया गया। पांच उपकेंद्रों में शटडाउन लेकर केस्को के कर्मचारियों ने कार्य किया।

एचएएल उपकेंद्र पर अहिरवाँ मोड पुलिस चौकी इलाके में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक शटडाउन किया गया। पशुपतिनगर उपकेंद्र पर सी ब्लॉक, एच ब्लॉक यशोदा नगर में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक शटडाउन किया गया। बिठूर उपकेंद्र पर लवकुश नगर, ध्रुव नगर, केशव नगर, ओल्ड बिठूर, रमेल, हिंदूपुर, ईश्वरीगंज, बैकुंठपुर, चिरन और बरहट इलाके में दोपहर 12:30 बजे से शाम 3:30 तक बिजली का शटडाउन किया गया। दयानंद विहार उपकेंद्र पर बैरी अकबरपुर, नारामऊ, केडीए हाइट्स, दयानंद विहार फेस 1और फेस 2, बुद्धा पार्क, कल्याणपुर रोड इलाके में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विभिन्न क्षेत्र में अलग-अलग समय पर बिजली का शटडाउन डाउन लिया गया। इसी तरह दयानंद विहार उपकेंद्र के नवशीलधाम में सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक एक घंटे तक बिजली का शटडाउन किया गया।

सिंदूर से लिखकर महिलाओं ने सेना को दी बधाई

कानपुर। आज युग दधीचि देहदान संस्थान के नेतृत्व में कारगिल गेट मोतीझील पर गणमान्य महिलाओं ने 50 फीट के बैनर पर सिंदूर से लिखकर तुमुल उद्घोष करके मोदी जी और सेना को ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई दी। संस्था के बैनर पर लिखा था कि सिंदूर जो गिरा मांग से तो आग बन गया।

पूर्व महापौर कैप्टन जगवीर सिंह द्रोण ने उपस्थित मातृशक्ति को विजय तिलक कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बेटियों ने जिस शौर्य का प्रदर्शन करके पाकिस्तान को धूल चटाई है उसका स्वाद उसे अगले 50 साल तक नहीं भूलेगा। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि भारतीय नारी का सिंदूर कितनी ताकत रखता है इसका पता दुश्मन देश को लग गया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो संकल्प किया वह फलित होता दिख रहा है। भारतीय सेना का शौर्य पूरी दुनिया देख रही है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. नंदिनी रस्तोगी, अटलजी की पौत्री नंदिता मिश्रा, डॉ. अलका दीक्षित व छाया गुप्ता ने हस्ताक्षर करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। प्रेमलता तिवारी एवं सीमा अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। शेष नारायण त्रिवेदी, आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल, रवि तिवारी ने भी बैनर पर अपने संदेश लिखे। देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि सिंदूर की कीमत क्या है यह भारतीय सेना और मोदी जी ने दुश्मनो को बता दिया है। इसीलिए महिलाएं इस सिंदूर से बधाई संदेश लिख रही है। माधवी सेंगर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन वैदिक मंत्रो के पाठ के साथ किया गया।

महाचण्डी यज्ञ का आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में भारतीय सेना के अदम्य साहस और अप्रितम शौर्य को नमन करते हुये भारत-पाकिस्तान के मध्य चल रहे अघोषित युद्ध में भारत की विजय व सैनिकों की दीर्घ आयु की कामना पूर्ति के लिये शनिवार को श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर में दीनदयाल शोध केंद्र के आचार्यों व विद्यार्थियों ने महाचण्डी यज्ञ का आयोजन किया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, आयुर्वेदाचार्या डॉ. वंदना पाठक, प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने भारत की अघोषित युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए भगवती माता का पूजन किया।

सेवानिवृत्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की हुई विदाई

कानपुर। नगर के सरसौल स्थित एबीएसए सभागार में बाल विकास परियोजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी इंद्रपाल सिंह ने की।

कार्यक्रम का संचालन सुपरवाइजर मंजू रानी ने किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती सुमन यादव ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। सुपरवाइजर मंजू कुशवाहा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाओं पर प्रकाश डाला। समारोह में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरला देवी, अनीता शुक्ला, प्रेमलता, उर्मिला देवी और सहायिका विजयलक्ष्मी, मुन्नी देवी कुशवाहा को स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में लर्निंग रॉकेट के जिला समन्वयक नवल तिवारी ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। प्रथम स्थान पर शिवांश नौगवा गौतम, लकी ऐमा द्वितीय और तृतीय स्थान पर अंशिका करवरिगवा को प्रमाण पत्र और उपहार दिए गए। बच्चों की माताओं को भी फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम जानकी, आशा पाल, अंजना सचान, मोहम्मद आरिफ, शशि लता सिंह, पूनम कुशवाहा, उमकांती तिवारी, अर्चना सिंह, सत्या सिंह, पारुल श्रीवास्तव, मंजू सिंह, शैल कुमारी, उर्मिला उत्तम, तारा देवी, सुषमा सिंह, सुदामा देवी, कुसुम सिंह समेत कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सुमन यादव द्वारा भावुक विदाई गीत प्रस्तुत किया गया।

उमस कर रही परेशान आंधी पानी के आसार

कानपुर। इस समय अरब सागर से आर्द्र हवाएं उत्तर की तरफ आ रही हैं, जिनका रुख गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की तरफ है। इस आर्द्रता वाली हवाओं के आने से बादलों की आवाजाही आसमान में बनी रहेगी। इस कारण स्थानीय स्तर पर कही-कही छुटपुट रूप से बूंदा बांदी होने की प्रबल संभावनाएं बनी हुई हैं। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि आर्द्रता लगातार आने से आसमान में भले ही बादल छाए रहे। तापमान भले ही 37-38 डिग्री हो लेकिन उमस बहुत ज्यादा रहेगी। इस कारण लोगों को सलाह दी जाती हैं।

इंस्पेक्टर से आठ लाख की ठगी

कानपुर। कोर्ट से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर शब्बीर अहमद के खिलाफ एक साल चार माह बाद कोहना थाने में एक और एफआईआर दर्ज हुई है। इस बार कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात रहे एक इंस्पेक्टर की पत्नी ने डीसीपी सेन्ट्रल के आदेश पर कोहना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना कोहना में तैनात पूर्व इंस्पेक्टर को भतीजे की हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने और खुद इंस्पेक्टर को प्लॉट दिलाने के नाम पल 8 लाख की ठगी की गई थी। इतना ही नहीं आरोपी ने इंस्पेक्टर को धमकी तक दी। इस मामले में डीसीपी सेन्ट्रल के आदेश पर एक साल चार माह बाद शातिर और उसकी पत्नी के खिलाफ पीड़ित इंस्पेक्टर की पत्नी की तहरीर पर थाना कोहना में धोखाधड़ी जालसाजी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। कोहना पुलिस के मुताबिक विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विष्णु कीर्ति अपार्टमेंट कोहना निवासी अरुण सिंह इंस्पेक्टर हैं। उनकी पत्नी अनुपम सिंह के मुताबिक वर्तमान में पति इंस्पेक्टर एयरपोर्ट प्रयागराज के पद पर तैनात है। इससे पूर्व अरुण सिंह 5 जनवरी 2021 से 8 नवम्बर 2023 तक कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात रहे हैं। जिसमें 18 जून 2023 से 21 अक्टूबर 2023 तक अरुण सिंह कोहना इंस्पेक्टर के पद पर तैनात रहे हैं। अरुण सिंह की मुलाकात रामलीला मैदान केडीए कालोनी निवासी शब्बीर अहमद से हुई थी। उस दौरान शब्बीर अहमद द्वारा बताया था कि वह मुख्यमंत्री का ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी है और राजनेताओं व न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों से उसके अच्छे सम्पर्क व सम्बन्ध है।

जिस दिन चाहेंगे, अखिलेश व उनका परिवार भाजपा में होगा शामिल : साक्षी

उन्नाव। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने शनिवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह जिस दिन चाहेंगे, उस दिन अखिलेश यादव और उनका पूरा परिवार भाजपा में शामिल हो जाएगा। साक्षी महाराज ने कहा कि अगर भाजपा में नहीं आए तो वे एनडीए के साथ जरूर जुड़ेंगे।

उन्होंने अखिलेश के परिवार से अपने करीबी रिश्तों का जिक्र करते हुए खुद को उनके परिवार का मुखिया बताया। यह बयान सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस तंज के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि साक्षी महाराज उनके अनुरोध पर सपा में आ जाएंगे। जाति जनगणना पर बोलते हुए साक्षी महाराज ने कहा कि वह खुद ओबीसी समाज से हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जाति जनगणना के लिए प्रयास किया है। उनका मानना है कि इससे समाज के वंचित वर्गों को मजबूती मिलेगी। साक्षी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उनका दावा है कि 2024 में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

भारतीय सैनिकों की सुरक्षा के लिए किया पूजा-पाठ

उन्नाव। भारत द्वारा आतंकी हमले का जवाब देते हुए पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला कर तबाह कर दिए जाने पर देश में जगह जगह शौर्य के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। भारतीय सैनिकों को धन्यवाद दिया जा रहा है। उनका हौसला बढ़ाया जा रहा है भारत की जीत और सैनिकों की सुरक्षा के लिए हवन पूजन और प्रार्थनाएं हो रही हैं।

उन्नाव के बड़े हनुमान मंदिर में उन्नाव के सांसद माननीय साक्षी जी महाराज की उपस्थिति में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में भी भारतीय सैनिकों सुरक्षित रहने के लिए शौर्य प्रार्थना का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान का पूजन अर्चन के साथ हनुमान चालीसा का पाठ कर सैनिकों के सुरक्षित रहने की प्रार्थना की गई। जिसमें जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी जिला महामंत्री आशीष बाजपेई अटल, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, विमला कुरील, आनंद अवस्थी, जिला कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल, संदीप पांडे, सुशील तिवारी, संदीप निगम, विमल द्विवेदी, दिनेश गुप्ता, अमितेश सिंह नंदू, किरण सिंह, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष सुशील रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुशील तिवारी, अमित त्रिपाठी, नवीन सिंह, ललित द्विवेदी आजाद, मनोज मिश्र, रमाकांत चौरसिया, सभासद बृजेश पाण्डेय, प्रियंका शुक्ला, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष मंजू द्विवेदी, संतोष पाल, कमलेश शुक्ला, अमित मिश्रा, नीरज शुक्ला कमल बाजपेई, अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

आचार्यों के साथ किया हवन

उन्नाव। नगर के रेलवे स्टेशन के पास स्थिति श्री हरे हरेश्वर मंदिर में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के खात्मे के लिए भारतीय सेनाओं द्वारा चलाये जा रहे₹ आपरेशन सिंदूर₹ को पूर्ण सफल बनाने व भारतीय सेना को पाकिस्तान के विरुद्ध असाधारण शौर्य प्रदर्शित कर आतंक वाद की जमीन को मिटटी में मिलाने के लिए 21 आचार्यों द्वारा राष्ट्र भक्तो के साथ नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी ने किया हवन पूजन। भारत के 140 करोड़ लोग भारत सरकार व भारतीय सेनाओं के साथ है आतंकवाद की फैक्ट्री पाकिस्तान पर आपरेशन सिंदूर के तहत ताला लगना तय है और संभव है कि पाकिस्तान 1971 की तरह बलूचिस्तान नाम के एक देश को जन्म दे उसकी प्रसव पीड़ा शुरू हो चुकी है। इस अवसर पर पंडित सागर तिवारी, पंडित प्रशांत तिवारी, पंडित हिमांशु पांडेय, पंडित विवेक अवस्थी, पंडित स्वेतांक अवस्थी, पंडित शोभित तिवारी, पंडित शिवांशु तिवारी, पंडित दीप प्रकाश शुक्ला, पंडित अंकुर तिवारी, पंडित राघवेंद्र शुक्ला रहे।

प्रतिभा निखार बीएसए ने खुद के प्रयास से केजीबी वी एफ चौरासी में भी स्थापित किया डांस व म्यूजिकल लैब

संगीत और नृत्य के क्षेत्र भी अपना दबदबा कायम कर सकेंगी बालिकाएं

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह के द्वारा डांस और म्यूजिकल लैब स्थापित करवायी गयी थी।

केजीबीवी सरोसी की तर्ज पर जनपद के एफ चौरासी ब्लॉक में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में भी म्यूजिकल लैब स्थापित की गयी है। जिसका उद्देश्य के जी बी वी और जूनियर स्कूलों में अध्ययनरत बच्चियां शास्त्रीय संगीत और नृत्य आदि सीख सकें। जिसमें शास्त्रीय नृत्य और संगीत के लिए ढोलक, तबला, सितार, बांसुरी, घुंघुरू, सारंगी, हरमोनियम जैसे सारे वाद्ययंत्रों की उपलब्धता कराई गई है। के जी बी वी एफ चौरासी में पढ़ने वाली बालिकाएं अब शास्त्रीय नृत्य और संगीत में दक्ष होंगी। जिसके तहत शनिवार को शास्त्रीय नृत्य और सुर संगीत की सभा आयोजित की गयी। बताते चलें कि परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। के जी बी वी और जूनियर स्कूलों की बालिकाओं को शास्त्रीय संगीत और नृत्य सिखलाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह ने यह कदम उठाया है। उन्होंने खुद के प्रयास और सहयोग से सबसे पहले के जी बी वी सरोसी और अब के जी बी वी एफ -84 में दूसरी म्यूजिकल लैब की स्थापना की है। जिसके तहत अपने बच्चों को स्टेट लेबल तक आयोजित प्रतियोगिताओं में भेजा जा सके। के जी बी वी में अब कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा लेने के साथ यहां की बालिकाएं संगीत और नृत्य के क्षेत्र भी दबदबा कायम कर सकेंगी। बीएसए संगीता सिंह ने बताया कि सिकंदरपुर सरोसी और एफ 84 में म्यूजिक लैब से संबंधित टीचर मिले हैं वहां पर डांस और म्यूजिकल लैब स्थापित करा दी हूं। जनपद के और जिस- जिस ब्लॉक के के जी बी वी और जूनियर स्कूलों में म्यूजिकल लैब हेतु रूम और अतिरिक्त रूम और अन्य सुविधाएं व टीचर मिलते जायेंगे वहां वहां पर डांस और म्यूजिकल लैब स्थापित कराने का प्रयास है। के जी बी वी और जूनियर स्कूलों में अध्ययनरत बच्चियों को शास्त्रीय संगीत और नृत्य आदि सिखाने के लिये जिलाधिकारी की अनुमति से जो टीचर इस सुविधा हेतु निपुण होंगे उनको हफ्ते में दो दिन स्थापित की गयी म्यूजिकल लैब में अटैच कराऊंगी।

बढ़ते तापमान से कृषि व स्वास्थ्य को नुकसान

कानपुर। मौसम वैज्ञानिक प्रो. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि अब गर्मियों के दिन बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में यदि गर्म दिन अधिक होंगे तो यह फसल की पैदावार में कमी, कीटों और बीमारियों के प्रकोप में वृद्धि और पानी की कमी का कारण बनेगा। उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य पर यह गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे लू लगना और निर्जलीकरण के जोखिम को बढ़ाता है। साथ ही संक्रामक रोगों के प्रसार का भी कारण बनता है। बढ़ती गर्मी फसल की वृद्धि और विकास को बाधित कर सकती है। इससे पैदावार में कमी आती है।

पहलगाम से सीज फायर उल्लंघन तक।

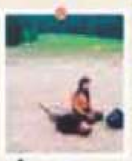

22 अप्रैल मंगलवार
पहलगाम में टूरिस्ट पर आतंकी हमला, 26 की मौत, 17 घायल। पीएम मोदी सऊदी अरब का दौरा रद्द कर भारत लौटे।

23 अप्रैल बुधवार
पाकिस्तान के खिलाफ 5 बड़े फैसले-
1. सिंधु जल संधि पर रोक
2. अटारी-वाघा बॉर्डर बंद
3. पाक उच्चायोग में [illegible] की संख्या 55 से 30 की
4. सभी पाक नागरिकों के वीजा रद्द
5. 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश

24 अप्रैल गुरुवार
बिहार के मधुबनी की जनसभा में मोदी बोले- आतंकियों को कल्पना से परे सजा मिलेगी।
पाकिस्तान ने शिमला समझौते समेत सभी द्विपक्षीय समझौतों को रोका। कहा- नदियों का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई जैसा।

24 अप्रैल गुरुवार
सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी दी। बैठक में विपक्ष ने सरकार को समर्थन दिया।

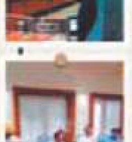

29 अप्रैल मंगलवार
सेना को पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन की छूट मिली। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले के जवाब में कार्रवाई कब, कहां और कैसे सेना तय करे।

30 अप्रैल बुधवार
सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी पीएम मोदी से मिले।

1 मई गुरुवार
दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह बोले- कोई ये न समझे कि हमारे 26 लोगों को मारकर वो लड़ाई जीत गए हैं। चुन-चुन के बदला लिया जाएगा।

4 मई रविवार
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह [illegible] में बोले- देश जो चाहता है वही होगा।

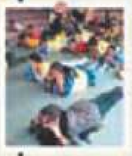

5 मई सोमवार
देश के 244 स्थानों पर 7 मई को सिविल डिफेंस और ब्लैकआउट की मॉक ड्रिल का आदेश।

6-7 मई की रात मंगलवार-बुधवार
भारतीय सेना ने रात 1:05 से 01:25 के बीच पाकिस्तान और PoK में 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

7-8 मई की रात बुधवार-गुरुवार
पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान और पंजाब में 15 भारतीय सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, सभी हमले नाकाम।

8 मई गुरुवार
भारत में पाकिस्तानी कंटेंट बैन, सभी OTT और मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आदेश जारी।

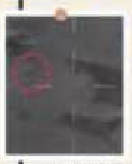

8-9 मई की रात गुरुवार-शुक्रवार
पाकिस्तान ने दोबारा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के इलाकों में मिसाइल हमले किए। सभी हमले नाकाम।

जवाब में भारत ने अटक, रावलपिंडी, [illegible], गुजरांवाला, लाहौर, [illegible], बहावलपुर, [illegible], कराची और [illegible] में मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने आठ हजार अकाउंट्स बैन किए।

9-10 मई शुक्रवार-शनिवार
पाकिस्तान ने फिर से जम्मू-कश्मीर से गुजरात तक 26 जगहों पर ड्रोन अटैक किए। मिसाइलें भी दागीं। सभी हमले नाकाम।

जम्मू-कश्मीर के उरी, तंगधार, केरन, मेंढर, नौशेरा, अखनूर, [illegible] और पुंछ सेक्टर में फायरिंग भी की गई। सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

एडिशनल डीडीसी थापा के घर को बनाया निशाना, अधिकारी की मौत

नागरिक इलाकों में पाक ने की गोलीबारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान हुआ है। इससे बौखलाकर उसने सीमा से सटे इलाकों में हमले की कोशिश की है। हालांकि उसके अधिकांश हमलों को नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान के द्वारा किए जा रहे हमलों में जम्मू-कश्मीर के अधिकारी की मौत हो गई है, जिसकी जानकारी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दी है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "राजौरी से दुखद समाचार। हमने जम्मू-कश्मीर प्रशासन सेवा के एक समर्पित अधिकारी को खो दिया है। कल ही वे डिप्टी सीएम के साथ जिले में घूम रहे थे और मेरी अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए थे। आज अधिकारी के आवास पर पाकिस्तानी गोलाबारी की गई। राजौरी शहर को निशाना बनाया गया। इसमें हमारे अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा की मौत हो गई। इस भयानक जान-माल के नुकसान पर अपने सदमे और दुख को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।"

सुबह करीब 5.30 बजे जब पाकिस्तान की तरफ से हमला हुआ तो थापा अपने घर में थे। धमाके की आवाज सुनकर वह बाहर निकले। इसके बाद वह अपने कमरे में चले गए। इसके बाद पाकिस्तानी हमले में उनका कमरा भी निशाना बन गया। इसके अलावा दो अन्य लोगों की भी इन हमलों में मौत हुआ है। उनमें एक बच्चा और एक महिला शामिल है। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शनिवार सुबह कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। कम से कम आधे घंटे तक रुक-रुक कर विस्फोट होते रहे। इस बारे में हालांकि कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि विस्फोट कहां हुए, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

शुक्रवार शाम को कश्मीर के बारामुला से लेकर गुजरात के भुज तक, अंतराष्ट्रीय सीमा और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गए, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया। जम्मू- कश्मीर में बारामुला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा और जम्मू में पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन निष्क्रिय कर दिये गये।

पाकिस्तान की पिटाई देख 'शांति-शांति' करने लगा चीन

बोला- बात आगे बढ़ी तो किसी के हित में नहीं होगा

नयी दिल्ली/बीजिंग

जंग के लिए हमेशा आग उगलने वाला चीन अपने दोस्त पाकिस्तान की पिटाई देख 'शांति-शांति' करने लगा है। पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर और फिर पाकिस्तान की बौखलाहट पर जोरदार पलटवार ने ड्रैगन की चिंता बढ़ा दी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान से शांति की अपील करते हुए ज्ञान दिया कि बात आगे बढ़ी तो किसी के हित में नहीं होगा। ऐसा करते हुए उसने पाकिस्तान पोषित आतंकवाद पर चुप्पी साधे रखी।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान ने भारत में हमले की नाकाम कोशिशें की हैं तो दूसरी जवाबी कार्रवाई में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने पाकिस्तान के छह एयरबेस को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल है। इस बीच चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा स्थिति करीब से निगाह रखी जा रही है। चीन ने टकराव बढ़ने पर अपनी चिंता जाहिर की है।

चीन ने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के मेज पर वापस आने की सलाह देते हुए कहा कि वह मध्यस्थता करने का इच्छुक है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा, "हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि शांति और स्थिरता के हित में संयम और शांति बरतें और शांतिपूर्वक साधनों से राजनीतिक सुलह के रास्ते पर वापस आएं। किसी भी ऐसे ऐक्शन से बचें जो तनाव को और ज्यादा बढ़ाए। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के हित में होगा और क्षेत्र तथा शांति स्थिरता के लिए आवश्यक है। वैश्विक समुदाय भी इसी की उम्मीद कर रहा है। इसे खत्म कराने के लिए, चीन भूमिका निभाने को इच्छुक है।'

गौरतलब है कि चीन अपने फायदों के लिए पाकिस्तान को सबसे करीबी दोस्त होने के भ्रमजाल में फंसाए हुए है। चीन ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। भारत के रुख और सैन्य ताकत को देखते हुए चीन को अब अपने प्रोजेक्ट्स पर भी असर होने का अंदेशा होने लगा है।

सैनिकों से ट्रेन में वसूली करने वाला टीटीआई सस्पेंड

फौजी मालवा एक्सप्रेस से लड़ाई में जा रहे थे जम्मू

एजेंसी

इंदौर। पाकिस्तान से तनाव की वजह से अचानक ड्यूटी पर बुलाए गए कुछ फौजियों ने आरोप लगाया है कि ट्रेन में टीटीआई ने उनसे रिश्वत ली और बदसलूकी की। सैनिक मध्य प्रदेश के इंदौर से जम्मू जा रहे थे। घटना के प्रकाश में आने के बाद आरोपी टीटीई को सस्पेंड कर दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। टीटीआई और फौजियों के बीच बहस का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें रेलवे कर्मचारी पैसे लेने के आरोपों को नकारता सुनाई दे रहा है।

सूबेदार विनोद कुमार दुबे ने फोन पर बताया कि उन्हें 8 तारीख बुधवार को रात 10 बजे मैसेज आया कि छुट्टी रद्द करके अर्जेंट जम्मू पहुंचना है। वह अपना सामान पैक करके 11 बजे रेलवे स्टेशन पहुंच गए। वह इंदौर से जम्मू जाने वाली मालवा एक्सप्रेस (12919) में बैठ गए सूबेदार ने कहा कि अचानक जाने की वजह से वह रिजर्वेशन नहीं करा पाए। एक जरनल टिकट लेकर एस 1 कोच में चढ़ गए। रातभर वह एक खाली सीट पर सो गए। सूबेदार विनोद कुमार ने कहा कि शुक्रवार सुबह 9 बजे जब ट्रेन सोनीपत-पानीपत के बीच गुजर रही थी। एक टीटीआई दलजीत सिंह आए।

उनकी सीट के पास एक अग्निवीर के जहीर खान और हवलदार राजकुमार भदौरिया भी थे। टीटीआई दलजीत सिंह ने पहले अग्निवीरसे टिकट मांगा तो उसने जनरल का टिकट दिखाया। टीटीआई ने कहा कि पेनल्टी देना होगा। जवान ने अपना आई कार्ड दिखाते हुए कहा कि अर्जेंट जम्मू बुलाया गया है। फिर उन्होंने जहीर खान से 150 रुपये लिए और चले गए।

सायरन बजने से बाहर भागे, नहीं तो मारे जाते

जम्मू के लोगों ने बताया कि धमाके से कैसे उनके घर हिल गये

एजेंसी

जम्मू। पाकिस्तान के मोर्टार और ड्रोन हमलों से प्रभावित जम्मू शहर की रिहाड़ी कॉलोनी के एक निवासी ने पूरे घटनाक्रम को याद किया। उन्होंने कहा कि सायरन की आवाज सुनकर हमारी आंखें खुल गईं और कुछ ही देर बाद ही एक भीषण विस्फोट ने हमारे घर को हिलाकर रख दिया। भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से रात भर कई ड्रोन हमलों को नाकाम किया गया। इसके कुछ घंटों बाद शनिवार तड़के जम्मू शहर के रिहाड़ी और रूप नगर सहित कुछ रिहायशी इलाकों में गोले और संदिग्ध ड्रोन के हमले किए गए। जम्मू में 6 स्थानों पर हमले हुए। हमले में सबसे ज्यादा प्रभावित घनी आबादी वाली रिहाड़ी कॉलोनी हुई जहां एक बम गुलशन दत्त के घर पर आ गिरा। इससे इमारत और आसपास के कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया, लेकिन परिवार बाल-बाल बच गया।

दत्त की पत्नी ने घटना को याद करते हुए कहा, 'सायरन की आवाज से हमारी आंखें खुलीं और हम बालकनी में आने के बाद भूतल की ओर भागे। कुछ ही पलों में हमारे घर में एक जबरदस्त धमाका हुआ।' उन्होंने कहा कि सायरन ने हमारी जान बचा ली। अगर हम नहीं जागते तो हम मर जाते। माता रानी ने हमें बचा लिया। रिहाड़ी कॉलोनी में तबाही के दृश्य युद्ध क्षेत्र जैसे हैं। तबाह इमारतों के कंक्रीट के हिस्से, टूटी खिड़कियां और क्षतिग्रस्त दीवार और वाहन देखे जा सकते हैं। दत्त ने आज सुबह करीब सवा पांच बजे विस्फोट सुना जिसने उनके पूरे घर को हिलाकर रख दिया। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा घर हिल गया। हमें लगा कि अब सब खत्म हो गया है।'

एक अन्य बम आप शंभू मंदिर को निशाना बनाकर दागा गया, लेकिन वह सुनसान घर के पास गिरा जिससे बड़ी जनहानि टल गई। एक श्रद्धालु सुदेश कुमार ने कहा, 'हम सुबह की पूजा के लिए आए थे, तभी एक जोरदार विस्फोट ने सन्न कर दिया।

पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी होगी

हजूरीबाग की शकुंतला देवी ने भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'वे अब नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। जब वे हमारी सेना से नहीं लड़ सके तो निर्दोष लोगों पर हमला करके हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।' एक व्यापारिक केंद्र के पास गोदाम में काम करने वाले करतार चंद ने आज सुबह पास में एक गोला फटते देखा। उन्होंने कहा, 'हम डरे नहीं है, लेकिन पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी होगी। उसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने से रोका जाना चाहिए।' तालाब तिल्लो निवासी देवी शरण गुप्ता ने कहा कि इन हमलों ने 1971 के युद्ध की यादे ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'मैंने तब से जम्मू में ऐसा कुछ नहीं देखा। रिहायशी इलाकों को इस तरह निशाना बनाना सोच से परे है।' शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हमलों की निंदा की थी।

एक बहादुर तो दूसरी हैं ब्यूटी क्वीन

सोफिया की जुड़वा बहन भी हैं वंडर वुमन

नयी दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से चर्चा में आया वह नाम है जिस पर आज हर भारतीय गर्व महसूस कर रहा है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने के लिए भारतीय सेना ने जिन दो महिलाओं को चुना उनमें से एक थीं कर्नल सोफिया कुरैशी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी एक-एक जानकारी सामने रखी और बताया कि कैसे पाकिस्तान में चल रही आतंकी की फैक्ट्रियों को मिट्टी में मिलाया गया। सोफिया कुरैशी और उनकी जुड़वा बहन शायना सुनसारा सेना में रहे अपने दादा से सैन्यकर्मियों की वीरता और बलिदान की कहानियां सुनकर बड़ी हुईं। कई सालों बाद, सोफिया ने सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा जताई तो, तो उनके परिवार ने बिना किसी हिचकिचाहट के उनके फैसले का दृढ़ता से समर्थन किया। आज अपनी बहन को इस मुकाम पर देख शायना सुनसारा भी गर्व से भर उठी हैं।

कर्नल कुरैशी और सुनसारा का जन्म गुजरात के वडोदरा में एक सैन्य परिवार में हुआ था। शायना सुनसारा भी अपनी जुड़वां बहन कर्नल सोफिया कुरैशी की तरह कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं। वह एक मा, एक अर्थशास्त्री, पूर्व आर्मी कैडेट, फैशन डिजाइनर और एक पर्यावरणविद् भी हैं। डॉ. शायना सुनसारा को वडोदरा की 'वंडर वुमन' के तौर पर भी जाना जाता है। वह मिस गुजरात, मिस इंडिया अर्थ 2017 और मिस यूनाइटेड नेशंस 2018 का ताज भी अपने नाम कर चुकी हैं। सुनसारा राइफल शूटिंग गोल्ड मेडलिस्ट (भारत के राष्ट्रपति) भी हैं। इसके अलावा भारतीय फैशन उद्योग में अपने योगदान के लिए 2018 में प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। वह एक मॉडल भी हैं और उन्हे गुजरात में एक लाख पेड़ लगाने की उनकी पहल के लिए भी जाना जाता है। शायना सुनसारा एचटी सिटी को बताया कि उनके परिवार में कोई भी यह नहीं जानता था कि कर्नल सोफिया कुरैशी ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक रिश्तेदार ने उन्हें फोन करके टीवी ऑन करने को कहा और तभी उन्हें इस बारे में पता चला। सुनसारा ने कहा, स्यह न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का पल था। हमारी सरकार और पीएम मोदी ने बहुत बढ़िया जवाब दिया। सोफिया कुरैशी का जन्म कुरैशी का जन्म 1974 में गुजरात के वडोदरा में हुआ। उन्होंने 1997 में मनोनमनियम सुंदरनार (एमएस) यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में मास्टर डिग्री हासिल की।महत्वपूर्ण सिग्नल कोर में अधिकारी के रूप में कार्यरत, कुरैशी को 2006 में लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में सैन्य पर्यवेक्षक की भूमिका के लिए चुना गया था, और वह पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाढ़ राहत अभियानों का हिस्सा रही थीं।

दुश्मन ने छेड़ दिया था 'बुन्यान-ए-मर्सूस'

पाकिस्तान आतंकियों से करा सकता है भारत के खिलाफ हमला

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से पड़ोसी मुल्क बुरी तरह बौखला गया है। अपने पाले दहशतगर्दों मौत के बाद एक तरफ जहां वह मातम में है तो दूसरी तरफ भारत के खिलाफ जंग जैसे हालात पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पिछले दो दिनों से उसने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की है। पड़ोसी मुल्क ने अपनी नापाक हरकतों को ऑपरेशन 'बुन्यान-ए-मर्सूस' नाम दिया है।

'बुन्यान-ए-मर्सूस' एक अरबी शब्द है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है- बहुत ही मजबूत नींव। इमारत की ऐसी नींव जिसमें सीसे से जुड़ाई हुई हो या सीसे से बनी हुई बुनियाद, (अर्थात) वो बुनियाद जो बहुत मजबूत और ठोस हो। अब पाकिस्तान ने यह नाम क्यों चुना है यह तो वही बता सकता है। क्या वह अपनी इन हरकतों से जंग के लिए मजबूत नींव रखा चाहता है या वह अपने देश में आतंकवाद की मजबूत नींव को उजागर कर रहा है? पाकिस्तान के पाले हुए इन्हीं आंतकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में कायराना हमला करते हुए 26 निहत्थे पर्यटकों की हत्या कर डाली। हमले का बदला लेने के लिए भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल से हमले किए। इसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल था। हमले में मसूद के परिवार के भी कम से कम 10 लोग मारे गए।

आतंकियों की मौत पर पाकिस्तान इस तरह झुंझला गया कि भले ही उसके पास जनता को आटा देने के पैसे ना हो लेकिन वह कर्ज लेकर भी जंग लड़ने को तैयार है। वह दो दिन से भारत पर उकसावे की कार्रवाई को अंजाम दे रहा है। 'बुन्यान-ए-मर्सूस' के तहत उसने भारत के कई इलाकों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिशें की हैं। भारत के मजबूत एयर डिफेंस ने सीमा पार से आने मिसाइलों और ड्रोन्स को मार गिराया है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर में सीमावर्ती इलाकों में उसने कुछ मासूम नागरिकों की जान ले ली है। हालांकि जवाबी हमले में पाकिस्तान की हालत खराब हो गई है। बीती रात भारत ने पाकिस्तानी एयरबेसों पर जबरदस्त हमला किया। वहीं पाकिस्तान ने फिरोजपुर, सिरसा समेत कई जगहों पर अटैक की कोशिश जरूर की लेकिन कामयाब नहीं हो पाया। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर भारत में आतंकी हमले करवा सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक आसिम मुनीर के आईएसआई चीफ रहते हुए ही 2019 में पुलवामा हमले की साजिश रची गई थी। मुनीर की भी इस हमले में भूमिका थी। पाकिस्तान और पीओके में भारत की एयरस्ट्राइक के बाद मारे गए आतंकियों की अंतिम यात्रा में पाकिस्तानी सेना के अधिकारी भी शामिल हुए थे। पाकिस्तान की सेना और आतंकियों की साठ-गांठ से कतई इनकार नहीं किया जा सकता। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकसर पाकिस्तान को लताड़ता रहता है और पाकिस्तान इस बात को खारिज करता रहता है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान जिस तरह से बौखला गया है, उससे भी उसकी आतंकियों के साथ हमदर्दी का साफ पता चलता है।

आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकवादी बदला लेने के फिराक में हैं। पाकिस्तानी सेना इस मौके का फायदा उठा सकती है और आतंकियों की घुसपैठ करवाने में भी मदद कर सकती है। एलओसी पर लगातार हो रही फायरिंग का भी यही मकसद है। भारत और पाकिस्तान के बीच छोटी मिसाइलों का वार अब बड़े अटैक में तब्दील हो रहा है। जाहिर सी बात है कि पाकिस्तान का डिफेंस सिस्टम भारत की तुलना में ज्यादा कमजोर है। ऐसे में उसे बड़ा नुकसान भी हो रहा है। अपनी दाल गलते ना देखकर पाकिस्तान की सेना आतंकियों को आगे कर सकती है। भारत के सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि पिछले 10 साल से भारत आतंकियों पर नकेल कसे हुए था। बड़े पैमाने पर आतंकवादियों का सफाया किया गया। एक बार फिर आतंकी भारत पर बड़े हमले की कोशिश में लगे हुए हैं। यह सब पाकिस्तानी सेना के सहयोग से ही हो रहा है। पाकिस्तान के पास इतनी ताकत नहीं है कि युद्ध में वह चार दिन भी भारत के सामने ठहर पाए। ऐसे में वह आतंकवादियों को मौका देना चाहता है।

अफगानिस्तान ने भी खोली पाक की पोल

» कहा- भारत ने हम पर कोई मिसाइल नहीं दागी

एजेंसी

काबुल। भारत को बदनाम करने की पाकिस्तान नापाक हरकत एक बार फिर सबके सामने उजागर हो गई है। अफगानिस्तान ने खुद भारत की ओर से अफगान क्षेत्र पर मिसाइल हमलों के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया है। अफगान न्यूज नेटवर्क से बात करते हुए अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खवारिज्मी ने कहा, 'ऐसे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। भारत की ओर से अफगान इलाके में कोई हमला नहीं किया गया है।' इससे पहले, पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया था कि भारत के पाकिस्तान पर मिसाइल हमलों में अफगान क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पाकिस्तान के इस आरोप को झूठा बताया कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान पर हमला किया है। उन्होंने कहा, 'यह भी बिल्कुल बेतुका दावा है कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान पर हमला किया है। यह पूरी तरह से बेबुनियाद आरोप है। मैं केवल यह बताना चाहता हूं कि अफगान लोगों को यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि वह कौन सा देश है, जिसने पिछले डेढ़ साल में कई मौकों पर अफगानिस्तान में असैन्य आबादी और असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।' विदेश सचिव ने पाकिस्तान की ओर से यह दिखाए जाने के प्रयासों की निंदा की कि भारतीय लोग विभिन्न मुद्दों पर अपनी सरकार की आलोचना कर रहे हैं। विक्रम मिस्री ने कहा, 'हमने टेलीविजन पर दिखाई गई कुछ टिप्पणियों में भी देखा है कि पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता को इस बात पर बहुत खुशी होती है जब भारतीय जनता विभिन्न मुद्दों पर भारत सरकार की आलोचना करती है।'

कर रहे थे अडानी का पोर्ट उड़ा देने का दावा, खुल गयी पोल

अहमदाबाद। आतंकवादियों के खिलाफ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान बौखलाहट में लाल हो चुका है। वह जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात के कच्छ तक हवाई हमले की नाकाम कोशिशें कर रहा है। अपनी सेना और सरकार को नाकाम होते देख पाकिस्तानियों ने अपने मनोबल को बढ़ान के लिए झूठ और प्रोपेगेंडा का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत बहुत से पाकिस्तानियों ने सोशल मीडिया पर दावा कर दिया कि गुजरात में गौतम अडाणी की कंपनी की ओर से संचालित मुंद्रा पोर्ट पर मिसाइल से हमला किया गया है। हालांकि, फैक्ट चेक में यह पूरी तरह फर्जी वीडियो पाया गया। आग वाली तस्वीर और वीडियो के साथ कई पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स पर दावा किया गया कि गुजरात में अडानी के बंदरगाह पर हमला किया गया है और इसे नष्ट कर दिया गया है। एक यूजर ने वीडियो को अडानी पोर्ट का बताते हुए लिखा, 'गुड मॉर्निंग इंडिया आपको कैसा महसूस हो रहा है। पाकिस्तान से मिले सुबह के नाश्ते का मजा लो।' एक अन्य ने लिखा, 'रावलपिंडी, लाहौर, पेशावर में ड्रोन हमलों का जवाब, गुजरात में अडानी पोर्ट।'

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

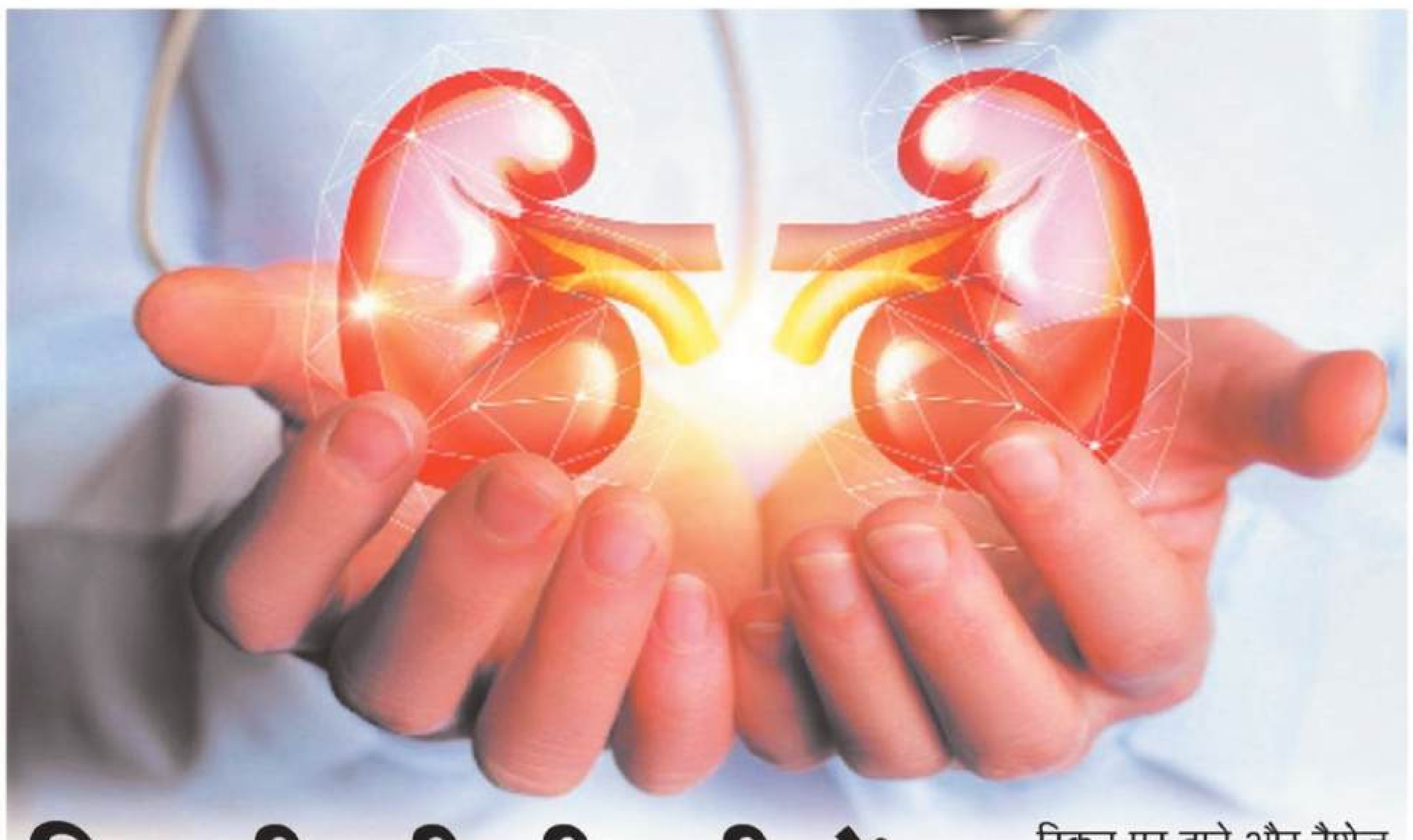

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

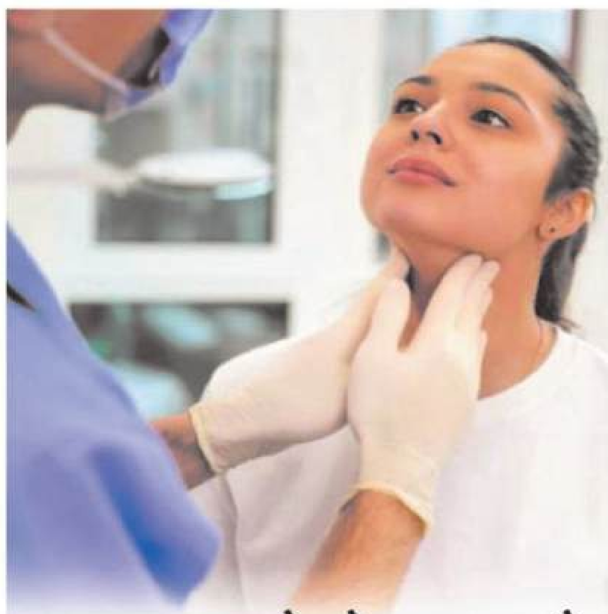

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण ह्रदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है ।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को क्षतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

जमीन में नामांतरण पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, विधायक भी नाराज

विवादित मामले में हुई शिवपुरी एसडीएम की विदाई

भारतमत संवाददाता

शिवपुरी। यूं तो शिवपुरी जिला मुख्यालय पर राजस्व विभाग में बैठे अधिकारी कर्मचारी हमेशा ही विवादित रहते हैं लेकिन इस बार राजस्व विभाग के मुखिया कहे जाने वाले एसडीएम से जुड़ा विवाद इतना गहरा गया कि अंततः उनका स्थानांतरण ही हो गया। दरअसल विगत कुछ दिनों से शिवपुरी में नामांतरण का एक मामला काफी चर्चा में था जिसकी शिकायत शिवपुरी विधायक द्वारा कई स्तरों पर की गई थी इसके बाद अचानक एसडीएम उमेश कोरव का तबादला हुआ है ।गौरतलब है कि सुरवाया में लगभग 1500बीघा का जमीन का एक नामांतरण पिछले दिनों किया गया है जिसमें तालाब फॉरेस्ट लैंड मंदिर शमशान घाट सब की रजिस्ट्री हो गई। इस मामले में शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन का आरोप था की एसडीएम द्वारा नामांतरण प्रक्रिया में गलत तरीका अपनाया गया था और तालाब की भूमि को भी असिंचित मान लिया। इस मामले में तहसीलदार से निरस्त अपील में एसडीएम ने नामांतरण आदेश जारी कर करवाया ।कुल 135 अलग-अलग सर्वे नंबरों की 273 हेक्टेयर लगभग 1365 बीघा

जमीन में से 91 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री कर दी और संबंधित सर्व नंबरों में रजिस्ट्री के आधार पर 26 मार्च 2023 को नामांतरण का आदेश जारी कर दिया जबकि इस मामले में तहसीलदार ने 2020 में ही प्रकरण निरस्त कर दिया था और जनवरी 2025 में भी प्रकरण निरस्त किया जा चुका था ।अपील में एसडीएम तहसीलदार द्वारा निरस्त प्रकरणों को विधि संवत नहीं माना और रजिस्ट्री का आदेश दे दिया। कहा जा रहा है कि इसी मामले में शिकायत होने पर एसडीएम का स्थानांतरण ऊपर से ही कर दिया गया है।गौरतलब है कि इससे पूर्व भी एसडीएम कौरव कई विवादों में घिरे रहे हैं और पुरानी गल्ला मंडी शिवपुरी में प्लॉट आवंटन प्रक्रिया को लेकर भी इन पर कई आरोप पूर्व में लग चुके थे। इससे पूर्व नगर पालिका की फर्जी एनओसी मामले में भी झींगुरा स्थित सरकारी सर्वे नंबर चार की रजिस्ट्री मामले में भी इन पर कई सवाल उठाए जा चुके थे। कुल मिलाकर लगातार चर्चा में चल रहे एसडीएम का स्थानांतरण आदेश आने से संभवतःअब जिला मुख्यालय राजस्व विभाग में विवादों का दौर थम सकता है ।हालांकि विधायक देवेन जैन स्थानांतरण किए जाने की प्रक्रिया से संतुष्ट दिखाई नहीं दे रहे हैं।

स्थानांतरण आदेश कोई सजा नहीं है : देवेंद्र जैन

एक और जहां जिला मुख्यालय पर विवादित होते जा रहे एसडीएम उमेश कोरव का स्थानांतरण कर हाईकमान ने मामले पर विराम लगाने की कोशिश की है वहीं दूसरी ओर स्थानीय विधायक ही हाई कमान के फैसले से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे। उनका कहना है कि इस मामले में लंबे भ्रष्टाचार की गंध आ रही है और मेरे द्वारा केंद्रीय मंत्री सिंधिया जी को भी इस मामले से अवगत करा दिया गया है। अब मैं इनका काला चिट्ठा चीफ सेक्रेटरी और मुख्यमंत्री को भी दस्तावेजों सहित दिखाऊंगा और इस प्रकरण को अंजाम तक पहुंचा कर ही रहूंगा ।उन्होंने कहा है कि स्थानांतरण करना कोई दंड नहीं है इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए।

चर्चा में बदरवास का समर कैंप

छुट्टियों में 6 सप्ताह के कैम्प का उद्द्येश्य बच्चों का बुनियादी विकास : तोमर

बदरवास। बदरवास में जिला शिक्षा केंद्र के निर्देश के पालन में गर्मियों की छुट्टियों में प्रथम कक्षा 5 से 6 बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, बदरवास बीआरसी अंगद सिंह तोमर ने कहा की छुट्टियों में 6 सप्ताह के इस कैम्प का उद्द्येश्य बच्चों का बुनियादी विकास करना है और बच्चों की कक्षा के स्तर के अनुसार पढ़ने-लिखने और बुनियादी गणित की क्षमताओं को मजबूत करना है। विशेष रूप से आयोजन कक्षा 5 की बेव अच्छी जो इस वर्ष उच्च प्राथमिक स्तर में प्रवेश करेंगे, उन्हें गणितीय कौशल को प्राप्त करने में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। गर्मियों की छुट्टी में पांचवी से छठवीं में जाने वाले बच्चों की बुनियादी गणितीय कौशल को मजबूत किया जा सकता है ताकि बच्चे कक्षा 6 में तैयारी के साथ पहुंच सके। यह कैंप प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन टीम द्वारा आयोजित किया जाएगा। कैंप का आयोजन 6 सप्ताह के लिए होगा।

पहले हफ्ते में वार्म अप से शुरू कर गणित, कहानी व रोचक गतिविधियां लुभाएंगी बच्चों को: प्रथम सप्ताह वार्मअप पर बच्चों का मूल्यांकन कर द्वितीय से पंचम सप्ताह तक कमाल के कैंप की गतिविधियां जैसे गणित के प्रोजेक्ट कार्य, कहानी संबंधित गतिविधि ,माथापच्ची एवं गणित मॉडल की प्रदर्शनी लगाना जैसे कार्य होंगे और अंतिम सप्ताह में कैंप का समापन समारोह किया जाएगा। कैंप में 12 से 15 बच्चों को शामिल किया जा सकता है।यह कैंप 1 से 2 घंटे के लिए चलाया जाएगा।कक्षा 10 , 11और 12 के किसी भी छात्र को या फिर पूर्व छात्र को स्वयंसेवक नियुक्त किया जा सकता है। इस कैंप के उद्देश्यों के अनुरूप कैंप के अंत में 999 तक की संख्याओं की समझ, तीन अंको की संख्या में जोड़ घटाव, दो अंको की संख्या के गुणा एवं एक अंक के गुणा भाग के शाब्दिक सवाल हर कर पाएंगे। गणित के खेल में ताली-चुटकी, तोड़ो और जोड़ो, रंग बिरंगे लंबे चौड़े, संख्या डायरी, उल्टी गिनती, मामा जी का घर, जैसा नाम वैसा दाम, संख्याओं का पिटारा कौन बड़ा कौन छोटा बी जैसे खेल शामिल होंगे एवं पहाड़े शामिल होंगे।कहानियों में रीना की मजबूरी, मैं सबसे मजबूत हूं, दादी का जन्मदिन, घड़ी और कैलेंडर, जंगल में पतंगबाजी, फलों का बंटवारा इत्यादि शामिल होंगे। बीआरसी अंगद सिंह तोमर के अनुसार इस संबंध में बैठक आयोजित कर समस्त जन शिक्षकों को निर्देशित किया गया। सभी जन शिक्षक जन शिक्षा केंद्र के एवं मुसाब सिंह बीएसी को कमाल के कैंप का विकासखंड पर नोडल नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस के लिए संजीवनी का काम कर रहे मंगेश और नीलेश

कक्काजु समर्थक युवा कांग्रेसी दिन रात जोड़ रहे नए कार्यकर्ता

भारतमत संवाददाता

पिछोर। जिले के पिछोर क्षेत्र में रहने वाले दो युवा जो कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर दिन-रात पार्टी के लिए काम कर रहे हैं और गांव गांव जाकर पार्टी के बारे में लोगों को समझाईस देकर कांग्रेस में जुड़ने की अपील कर रहे हैं और इन्हीं कारण से यह युवा क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। यह दो युवा पिछोर विधानसभा के सुजवानी से मंगेश बघेल एवं हिम्मतपुर से नीलेश जाटव है जो निस्वार्थ भाव से पूर्व मंत्री केपी सिंह के मार्गदर्शन में कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं एवं पूर्व मंत्री कक्काजू के बहुत ही बड़े समर्थक माने जाते हैं। जिसका अंदाजा इनके सोशल मीडिया हैंडल से लगाया जा सकता है जो समय समय पर फेसबुक व्हाट्सएप पर पूर्व मंत्री केपी सिंह की फोटो लगाकर कई प्रकार के कांग्रेस पार्टी के सॉन्ग

डालकर प्रचार प्रसार भी करते रहते हैं कांग्रेस पार्टी में सच्चे कार्यकर्ता की तरह यह दोनों युवा बिना किसी स्वार्थ के पार्टी के लिए सच्चे मन और ईमानदारी से कम कर रहे हैं पिछोर क्षेत्र में यह पूर्व मंत्री के पी सिंह के बहुत ही बड़े कट्टर समर्थक माने जाते हैं।

सेवा का पथ है अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन संस्थाः गुप्ता

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन संस्था की युवा कार्यकारिणी गठित , सौंपे नियुक्ति पत्र

भारतमत संवाददाता

शिवपुरी। शहर के स्थानीय रामराजा गार्डन परिसर में समाजसेवी संस्था अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन संस्था के द्वारा युवा इकाई की नवगठित कार्यकारिणी गठन के पश्चात नियुक्ति पत्र सौंपे जाने को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर से आए युवा प्रदेशाध्यक्ष राहुल गुप्ता की मौजूदगी रही जहां उन्होंने सभी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सेवा का पथ है और अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मार्ग का पथ प्रदर्शक है यही कारण है कि आज संस्था के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन आदि को लेकर अनेकों कार्य पूरे प्रदेश में किए जा रहे है और अब युवाओं के हाथों के द्वारा इन सेवा कार्यो को आगे बढ़ाने का कार्य करना है इसलिए अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन को सशक्त बनाने में अपना अमूल्य योगदान दें। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता के द्वारा की गई जिन्होंने युवा इकाई

जिला अध्यक्ष रितिक गर्ग (भटनावर वाले)के कार्यों को सराहा कि आज युवाओं के हाथों में भी समाजसेवा की कमान है और यही कारण है कि युवा इकाई अध्यक्ष बनते ही नगर कार्यकारिणी गठित कर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपने का यह अनुकरणीय कार्य किया गया। कार्यक्रम में अंतर्राष्टीय वैश्य महासम्मेलन के संभागीय महामंत्री चौधरी हरिओम जैन, प्रांत मंत्री एवं ग्वालियर-चंबल संभाग प्रभारी श्रीमती प्रीति जैन, संभागीय उपाध्यक्ष मुकेश जैन, जिलाध्यक्ष मुकेश जैन (मगरौनी), जिला महामंत्री संजीव जैन, जिला सचिव राजेश गोयल, युवा इकाई के नव नियुक्त अध्यक्ष रितिक गर्ग (भटनावर वाले), महामंत्री अभिषेक गुप्ता, मनीष गुप्ता मंचासीन रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण करते हुए शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान संचालन संभागीय उपाध्यक्ष मुकेश जैन ने जबकि आभार प्रदर्शन महामंत्री संजीव जैन के द्वारा व्यक्त किया गया। इस नगर कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष पवन मित्तल, मनोज जैन, दिव्यांश गुप्ता,आयुष सिंघल, मयंक सिंघल, वरिष्ठ उपा. राज चौधरी, शुभम गुप्ता, जिला मंत्री हर्ष जैन, आकाश बंसल, आकाश गर्ग, गौरव मित्तल, प्रबल अग्रवाल, जिला सचिव प्रियम अग्रवाल, शुभम गोयल, शिवम गोयल, मंगेश बंसल, सह सचिव हिमाचल अग्रवाल, मीडिया प्रभारी निकुंज जैन एवं सह मीडिया प्रभारी प्रिंस मित्तल और निर्देश गोयल, सुनील गोयल, देवांश अग्रवाल, माहिर मित्तल बैराड़ ब्लॉक अध्यक्ष सौरव गुप्ता शामिल है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को मौके पर ही अतिथियों के द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

श्रीमती आकांक्षा गौड़ को मिली पीएचडी की उपाधि

शिवपुरी जिले में बदरवास के सीएमओ सौरभ गौड़ की पत्नी श्रीमती आकांक्षा एम गौड़ को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है ।ग्वालियर की राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय से संगीत में पीएचडी की उपाधि मिलने पर शिवपुरी शहर के नागरिकों ने आकांक्षा गौड़ को बधाई दी है ।गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के राज्यपाल के मुख्य अतिथि में संपन्न हुए एक कार्यक्रम में यह उपाधि प्रदान की गई जिसमें विश्वविद्यालय की कुलगुरु श्रीमती स्मिता सहस्त्रबुध्दहे, जाने माने कबीर भजन गायक कालूराम जी बामणिया एवं प्रसिद्ध तबला वादक पंडित किरण देशपांडे विशेष रूप से मौजूद थे। सीएमओ सौरभ गौड़ की पत्नी श्रीमती आकांक्षा एम गौड़ को मध्य प्रदेश की सहरिया जनजाति एक परिचय संगीत के संदर्भ में विषय पर शोध कार्य करने के लिए उक्त डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। अब वह अपने नाम के आगे डॉक्टर का प्रयोग कर सकेंगी। ज्ञात रहे श्रीमती गौड़ एक जानी-मानी गायिका है जिनके गीत गजल भजन कजरी आदि विभिन्न चैनलों पर देखे जा सकते हैं ।श्रीमती आकांक्षा एम गौड़ को विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करने पर विभिन्न सामाजिक एवं एनजीओ जैसे मानव वेलफेयर सोसाइटी तथागत फाउंडेशन ,टीम 31 ,भारत विकास परिषद इत्यादि के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित शहर वासियों द्वारा भी बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।

हरिओम राठौर एवं राठौर युवा मंडल ने किया मेधावी छात्र दीपक राठौर का सम्मान

भारतमत संवाददाता

शिवपुरी। म.प्र. बोर्ड परीक्षा कक्षा 12वीं में कृषि संकाय से शिवपुरी जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले राठौर समाज के मेधावी छात्र दीपक राठौर, पिता दाताराम राठौर, निवासी मनियर का सम्मान राठौर युवा मंडल एवं समाज के गणमान्यजनों द्वारा उनके निज निवास पर जाकर किया गया।

सम्मान समारोह में हरिओम राठौर (सांसद प्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा) ने दीपक को पुष्पमाला पहनाकर एवं शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा, ÷दीपक जैसे होनहार छात्र समाज की पूंजी होते हैं। हम सभी को ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं का उत्साहवर्धन करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी भी प्रेरणा ले सके। राठौर समाज ने हमेशा शिक्षा और सेवा को प्राथमिकता दी है, और दीपक ने हमारे समाज का गौरव बढ़ाया है।÷ राठौर युवा मंडल, मनियर के अध्यक्ष रवि कुमार राठौर ने कहा कि मंडल

का उद्देश्य समाज के युवाओं को एकजुट कर उन्हें शिक्षा, सेवा और संस्कृति के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना है। दीपक की उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है।इस अवसर पर समाज के अनेक सम्माननीय लोग उपस्थित रहे जिनमें सुरेश राठौर (पूर्व सूबेदार), राजेश राठौर (सुरवाया वाले), नरेंद्र राठौर (झिरी वाले), अनिल राठौर, पवन राठौर, महेश राठौर सहित अन्य समाज बंधु सम्मिलित हुए।कार्यक्रम के अंत में दीपक राठौर और उनके परिवार ने समाज के इस सम्मान के लिए आभार प्रकट किया।

बकरियां व भैंस चराने गई पिता के साथ 11 वर्षीय लड़की की बिलरऊ नदी में डूबने से हुई मौत

भारतमत संवाददाता

करैरा करैरा थाना क्षेत्र के ग्राम टकटकी में शनिवार सुबह 10ञ्30 बजे बिलरऊ नदी के पास अपने पिता दिनेश कुर्मी के साथ बकरियां व भैंस चराने गई थी पिता अपनी लड़की निशा कुर्मी को पेड़ के नीचे नदी के किनारे बैठा कर भैंसें व बकरियों

को चराकर लौटाने चला गया जब लौटकर आया तो लड़की नहीं दिखी आस-पास देखा तो उसके कपड़े नदी के किनारे रखे मिले फिर नदी में देखा तो लाश तैरती दिखी फिर गांव वालों को सूचना दी फिर लाश को बाहर निकाला गया,शव को ट्रेक्टर ट्राली में रखकर करैरा पीएम हाउस लाया गया शव पीएम कराने के बाद पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

खटीक समाज की यह पहल समाज सुधार की मिसाल हैः देवेंद्र जैन

- शिवपुरी में खटीक समाज का 27वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न
- दहेज प्रथा के खिलाफ सामाजिक चेतना और एकता का अद्भुत उदाहरण

भारतमत संवाददाता

शिवपुरी। खटीक समाज द्वारा आयोजित 27वां भव्य आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 मई 2025 को करौंदी समबेल, शिवपुरी में संपन्न हुआ। इस आयोजन में समाज के 35 जोड़ों का सादगीपूर्ण और गरिमामयी विवाह संपन्न कराया गया। सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित विधायक देवेंद्र जैन ने कहा, खटीक समाज की यह पहल

समाज सुधार की एक मजबूत मिसाल है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में जागरूकता फैलती है और दहेज जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ सकारात्मक संदेश जाता है। मैं खटीक समाज की एकजुटता, संगठन और सेवा भावना की सराहना करता हूं।कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन समिति अध्यक्ष टिंकल पचौरी ने की। अतिथियों में पूर्व विधायक ओमप्रकाश खटीक, हरि सिंह सप्रे विधायक कुरवाई, पूर्व विधायक शकुंतला खटीक, पूर्व विधायक मोहन सिंह काररे, खेल अधिकारी मुरारीलाल खास, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष, आबकारी विभाग के पूर्व संभागीय कमिश्नर सुरेश राजोरिया, पटवारी राकेश आर्य, पार्षद मदन मट्ठू, गोपाल सेजवार, जेडी तरेटिया प्रिंसिपल, एवं खटीक समाज के सेलिब्रिटी गोल्डमैन कन्हैया लाल खटीक उपस्थित रहे। देशभर से खटीक समाज के समाजसेवियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। ग्वालियर खटीक समाज की टीम की ओर से महेंद्र भदकारिया, रामजीलाल, राजकुमार कनौजिया, सुनील भदकारिया, सोनू टुंडेले, मोहन भीलवार, हेमंत टेडेले, राज कपूर खटीक, रानू खटीक, चौधरी समाजसेवी, सोशल वर्कर ने सम्मेलन को सफल बनाने में योगदान दिया। सम्मेलन में वर-वधु को डबल पलंग, गद्दा, तकिया, अलमारी, सोफा सेट, ड्रेसिंग टेबल, कूलर, फ्रिज, एलईडी, 101 बर्तन, मंगलसूत्र, सोने की फूल, चांदी की पायल, साड़ी, सूट, स्कूटर, प्रेस, सिलाई मशीन, वर-वधु के वस्त्र और गैस सिलेंडर आदि भेंट स्वरूप प्रदान किए गए।

आपात स्थिति में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण, सभी को मिलकर टीम भावना से करना होगा काम

जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई आयोजित, शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक में लिया शांति और सद्भावना का संकल्प

भारतमत संवाददाता

शिवपुरी-पहलगाम की आतंकवादी नृशंस घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत की जा रही सैन्य कार्यवाही से उत्पन्न स्थितियों के मद्देनजर जिले में भी जिला प्रशासन और पुलिस की टीम सतर्क होकर काम कर रही है। जिले में कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित ना हो। सांप्रदायिक सद्भावना का वातावरण बना रहे इस उद्देश्य से शनिवार को जनप्रतिनिधियों और शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, करैरा विधायक रमेश खटीक, पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव, अन्य राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के भी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियां से चर्चा के बाद शांति एवं समन्वय समिति की बैठक भी रखी गई और सदस्यों से चर्चा की गई। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न परिस्थितियों से शिवपुरी जिले में कोई ऐसी घटना ना हो। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा अपील की जा रही है। ऐसी स्थिति में हम सभी को एकजुट होकर टीम भावना से काम करना होगा। विशेषकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल साइट पर कोई ऐसे संदेशों का प्रसारण या फॉरवर्ड ना करें।

आधिकारिक जानकारी पर ही विश्वास करें। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामाजिक उन्माद फैलाने वाले किसी भी मैसेज को शेयर ना किया जाए। जिले में कंट्रोल रूम गठित किया गया है जिसका नंबर 7049101055 है। किसी भी प्रकार की सूचना देने के लिए इस नंबर पर जानकारी दे सकते हैं। भ्रामक खबरों के कारण अव्यवस्था न हो इसमें जनप्रतिनिधि और समाज के प्रबुद्धजन सभी मिलकर लोगों को जागरूक करें।

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी दून स्कूल रोजगार देने में भी आगे

शिवपुरी। दून स्कूल न केवल बच्चों की बेहतर शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है बल्कि रोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़कर काम कर रहा है ।हाल ही में दून स्कूल ने शिक्षकों के लिए नए रास्ते खोले हैं ।तेजी से बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में शिक्षण पद्धति में भी बदलाव हो रहे हैं ऐसे समय में शिक्षक को स्वयं भी अपडेट होते रहना चाहिए व नई तकनीक का इस्तेमाल कर अध्यापन कराना आवश्यक है। अपने ज्ञान, शिक्षा एवं सेवा के गौरवमयी 25 वर्ष पूर्ण करने वाले रेडिऐन्ट ग्रुप द्वारा संचालित दून पब्लिक स्कूल (जो कि दून दिल्ली की प्रीमियम फ्रेंचाइजी है) में आप अपनी योग्यता के आधार पर विभिन्न पदो पर आवेदन कर अच्छा रोजगार पा सकते हैं व अपने ज्ञान कौशल में वृद्धि कर सकते है। क्वालिटी एजूकेशन एवं हाईटेक शिक्षा के लिए प्रसिद्ध दून पब्लिक स्कूल शाखा शिवपुरी में प्रतिभावान युवक, युवतियॉ जो शिक्षक बनकर सेवा व रोजगार हासिल करना चाहते हैं और आकर्षक वेतनमान व सम्मान पाना चाहते हैं वे शीघ्र ही अपना आवेदन संस्था की ईमेल आई डी radsvp@rediffmail.com या मोबाइल नंबर 7987025721 पर वाट्सअप के माध्यम से दिनांक 18 मई 2025 तक भेजें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस कालका 51, सत्यदेव नगर गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं 27 बहार खाण्डे राव गेट गांधी भवन के सामने, झांसी से प्रकाशित , RNI No. UPHIN/2013/52735 स्थानीय संपादक तपस्वी श्रीवास्तव मो. 8518882202, फोन. 0510-2351835